आज का सुविचार
जमीन की खुदाई से प्राप्त होनेवाले सोने से ज्यादा विचारों की खुदाई से ज्यादा सोना प्राप्त होता है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 42 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 22 नवंबर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

क्रूरता का अपराध निरन्तर लागू रहता है जानिए/legal advice.....

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय न्याय संहिता की धारा 84 एवं भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498A में क्रूरता के अपराध के विषय में बताया गया है एवं यह एक गंभीर अपराध है,यह अपराध ज्यादातर विवाहित महिलाओं के साथ होता है इसलिए कानून के यह अपराध को निरंतर लागू होने प्रक्रिया में रखा है जानिए-

अरुण व्यास बनाम सरिता व्यास वाद- उक्त मामले मे सुप्रीम कोर्ट ने अभिनिर्धारित किया कि धारा 498A के स्पष्टीकरण के साथ पठित इस धारा में दी गई क्रूरता की परिभाषा से स्पष्ट होता है कि इसे एक निरंतर लागू अपराध माना गया है। अतः प्रत्येक बार जब भी पत्नी या किसी पीड़िता के साथ उसका पति या पति के रिस्तेदार क्रूरता का व्यवहार करते हैं, तब यह अपराध दर्ज करने की परिसीमा उसी दिन से लागू होगी। अर्थात महिला के साथ अभी या किसी उम्र में कोई पति क्रूरता करता है वह थाने में या न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास इसकी शिकायत कर सकती है-

अपराध का परिसीमा काल क्या है जानिए -

नए कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 516 एवं भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 468 के अनुसार

1. अगर कोई अपराध जुर्माने से दण्डित है तब उसकी शिकायत 06 माह के भीतर मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने में की जा सकती है।
2. अगर कोई अपराध 06 माह से 01 वर्ष की कारावास से दण्डनीय है , तब इस अपराध की शिकायत एक वर्ष के भीतर मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने में की जा सकती है।
3. अगर कोई अपराध एक वर्ष से तीन वर्ष तक के कारावास से दण्डनीय है तब इस अपराध की शिकायत तीन वर्ष के भीतर मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने में की जा सकती है।

तीन वर्ष से अधिक कठोर कारावास या आजीवन कारावास, मृत्युदंड के अपराध की शिकायत कभी भी मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने में की जा सकती है।

BNS-14, शासकीय सेवक कानून का पालन करते हुए किसी व्यक्ति की हत्या कर दे तब क्या यह अपराध माना जाएगा जानिए-

साधारण अपवाद, भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अध्याय 03 में धारा 14 से धारा 33 तक बताया गया है व्यक्ति द्वारा किया गया अपराध कब अपराध की श्रेणी में नहीं आता है,, अर्थात किन-किन परिस्थितियों में किसी व्यक्ति द्वारा किया गया अपराध क्षमा योग्य होता है और क्यू जानिए-

भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 14 की परिभाषा-

अगर किसी व्यक्ति या लोकसेवक जो विधि के नियमों के अनुसार कार्य कर रहा है एवं उसके द्वारा तथ्यों की भूल के कारण कोई अपराध हो जाता है, अर्थात किसी घटना या परिस्थितियों को देखते हुए विधि का पालन करते हुए कोई अपराध का होना, तब ऐसे अपराध को BNS की धारा 14 के अनुसार क्षमा योग्य माना जायेगा।

नोट- तथ्यों की भूल से किया गया अपराध इस धारा में क्षमा योग्य होता है। जैसे कि भीड़-भाड़ वाले स्थान पर सेना के वरिष्ठ अधिकारी के कहने पर सैनिक द्वारा हवा में फायरिंग कर दी जाए एवं गलती से फायरिंग की गोली किसी व्यक्ति को लग जाए तब यह तथ्य की भूल का अपराध होगा। कुलमिलाकर कहे तो इस संहिता में विधि की भूल द्वारा किया गया किसी भी प्रकार का अपराध क्षमा योग्य नहीं है कोई व्यक्ति यह नहीं कह सकता है कि उसे किसी कानून की जानकारी थी, क्योंकि जब कोई विधि (कानून) लागू होता है तो भारत सरकार या राज्य सरकारें उसकी अधिसूचना तुरंत जारी करती है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

सिंहस्थ के पहले उज्जैन में बनकर तैयार होगा मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में 592.30 करोड़ की मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय का किया भूमि-पूजन

- महाकाल की निगरानी में होगा अब हर मर्ज का ईलाज
- दुनियाभर में जाना जायेगा उज्जैन का मेडिसिटी
- प्रायवेट सेक्टर के साथ मिलकर उज्जैन में ही मेडिकल टूरिज्म भी होगा स्थापित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के उज्जैन को मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय की सौगात दी है। इसका गुरूवार को भूमि-पूजन किया गया। सिंहस्थ के पहले यह महत्वाकांक्षी प्राजेक्ट तैयार हो जायेगा। इस नवीन व्यवस्था से महाकाल की निगरानी में अब हर मर्ज का ईलाज होगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उज्जैन की मेडिसिटी दुनियाभर में जानी जायेगी।

उज्जैन में हाईटेक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ मेडिकल डिवाईस पार्क भी विकसित होगा। एक ही परिसर में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हाईराईज बिल्डिंग बनाई जाएगी तथा एक-एक इंच भूमि का उपयोग किया जायेगा। परिसर में ही चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ आदि के लिए आवासीय व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश गठन के बाद वर्ष 2003-04 तक प्रदेश में कुल 05 मेडिकल कॉलेज थे। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें 17 सरकारी हैं और 13 निजी क्षेत्र के हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार और समाज सहकार के साथ व्यवस्थाएं बनाएंगे। अगले वर्ष 12 मेडिकल कॉलेज और तैयार हो रहे हैं। जिन चिकित्सालयों की क्षमता अधिक है वहां चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था करने की भी योजना है। प्रदेश में पहले चिकित्सा शिक्षा एवं लोक स्वास्थ्य अलग-अलग विभाग होते थे, जिन्हें अब एक कर दिया गया है।

प्रदेश की पहली मेडिसिटी

उज्जैन में निर्मित होने वाली प्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं मेडिकल कॉलेज 14.97 एकड़ में 592.3 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा। इसमें 6 हाईराइज टॉवर होंगे। टीचिंग हॉस्पिटल का भवन 9 मंजिला होगा, जिसमें बेसमेंट भी शामिल है। मेडिकल कॉलेज का भवन 8 मंजिला होगा इसमें भी बेसमेंट बनाया जाएगा। नर्सेस होस्टल, आरडीएच ब्लॉक व यूजी इंटर्न गर्ल्स होस्टल के भवन 14 मंजिला होंगे। वहीं यूजी इंटर्न बॉइस होस्टल का भवन 11 मंजिला होगा। मेडिसिटी चिकित्सा महाविद्यालय सम्पूर्ण रूप से दक्ष होगा इसमें रिसर्च एंड डवलपमेंट की सभी सुविधाएँ होंगी। इस महाविद्यालय में 550 बेड की क्षमता का अस्पताल होगा तथा इसमें 150 मेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय में 380 क्षमता का नर्सिंग होस्टल, यूजी इन्टर्न गर्ल्स व बोइस होस्टल, सर्विस ब्लॉक, लाईब्रेरी, पार्किंग, जिमनेशियम, फुटओवर ब्रीज की सुविधाओं से सम्पन्न होगा। मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज के भवन में उर्जा दक्षता, फायर सेफ्टी, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, सोलर पॉवर, इलेक्ट्रिसिटी बेकअप, सिवरेज ट्रीटमेंट प्लॉट आदि आधुनिक तकनीकिओं का उपयोग होगा। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री एवं उज्जैन जिला प्रभारी श्री गौतम टेटवाल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, राज्यसभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक सर्व श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, डॉ. तेज बहादुरसिंह चौहान, श्री जितेन्द्र पंड्या एवं शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावद, महापौर श्री मुकेश टटवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर अंतरसिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, नगरनिगम सभापति अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष श्री सनवर पटेल, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुरसिंह बोरमुण्डला सहित जन-प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

43वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश मंडप बना आकर्षण का केंद्र

आगंतुकों को मोहित कर रहे होलोग्राम आधारित विकास के चार मिशन

भोपाल। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में चल रहे 43वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश मंडप आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंडप में मेले की थीम 'विकसित भारतञ्च2047' के अनुरूप प्राचीन सांस्कृतिक एवं कलात्मक धरोहर के साथ तेजी से विकसित होते मध्यप्रदेश के स्वरूप को प्रदर्शित किया गया है। मंडप में प्रदेश के विकास और समृद्धि के डिजिटल निरूपण के साथ ही प्रदेश के पर्यटन गंतव्य, जनजातीय एवं लोक-कला तथा स्थापत्य कला को मनमोहक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। मंडप में प्रवेश करते ही होलोग्राम आधारित विकास के 4 स्तंभ दर्शाए गए हैं। अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए कांच के स्तंभों के भीतर होलोग्राम के माध्यम से युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब कल्याण और किसान कल्याण मिशन प्रदर्शित किए गए हैं।

भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में एनसीसी का महत्वपूर्ण योगदान : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

भोपाल में मनाया गया एनसीसी का 76वां स्थापना दिवस

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एनसीसी संगठन स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों और युवाओं को अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने का लगातार काम कर रहा है। एनसीसी ने विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, साम्प्रदायिक सौहार्द, समाज सेवा, अनुशासन के साथ देशभक्ति के संस्कार विकसित किये हैं। मंत्री श्री सिंह आज भोपाल के शौर्य स्मारक में एनसीसी के 76वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता भी मौजूद थीं। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि देश में उच्च पदों पर अनेक विभूतियां हैं, जो देश निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं।

युग परिवर्तन का अकाट्य सिद्धांत - मूल सुधार और भूल सुधार : मंत्री श्री पटेल

डॉ. हरिसिंह गौर की 155वीं जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। डॉ. हरिसिंह गौर की 155वी. जन्म जयंती पर सागर जिला गौर उत्सव मना रहा है। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल गुरुवार को शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यदि आप पीढ़ियों तक अपना यश चाहते हैं तो शिक्षा का मंदिर तैयार करें और इसे एक संकल्प के रूप में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि एक बार किए गए संकल्प में फिर विकल्प का स्थान नहीं रहता। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी संकल्प की ताकत को समझे, विचार के प्रति समर्पण की ताकत को समझे। हम जो संकल्प जीवन में लें उसके प्रति विकल्प कभी स्वीकार न करें। डॉक्टर सर हरि सिंह गौर का जीवन भी की बड़े संकल्पों की

प्रतिमूर्ति है। हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। डॉ. हरिसिंह गौर जैसे बहुआयामी व्यक्तित्व हमारे जीवन में न केवल प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य करते हैं बल्कि सामाजिक सरोकार और समाज के प्रति अपने दायित्व, अपनी जिम्मेदारी की ओर भी इंगित करते हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि डॉ. गौर साहब अधिवक्ता, लेखक, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, दानी और ऐसे व्यक्तित्व के धनी थे जो आगे आने वाली परिस्थितियों को देख सकते थे। आजादी के 75 साल बाद भी हम महसूस कर सकते हैं कि जो पाठ्यक्रम, सुविधाएं सागर केंद्रीय विश्वविद्यालय में है, वह देश के अन्य बड़े-बड़े विश्वविद्यालयों में भी नहीं, यह हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा प्राप्त होने की बात को याद करते हुए कहा कि शुरुआत में इस बात को समझ नहीं पाए कि केंद्रीय विश्वविद्यालय बन जाने पर डॉ. हरिसिंह गौर की मूल मंशा प्रभावित होगी।

रायसेन जिले में दिव्यांगजनों के लिए चिन्हांकन शिविर आयोजित 27 नवंबर को उदयपुरा में ।

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

रायसेन। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला रायसेन द्वारा एडीआईपी योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु चिन्हांकन शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर विभिन्न विकासखंडों में 25 नवंबर 2024 से 30 नवंबर 2024 तक आयोजित होंगे। जिला कलेक्टर द्वारा जारी पत्र के अनुसार, इन शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों की जरूरतों का आकलन करना और उन्हें सहायता उपकरण जैसे व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र, बैसाखी आदि प्रदान करना है। दिव्यांगजनों के आवेदन और जरूरतों का आकलन इन शिविरों में किया जाएगा।

शिविर की तारीख और स्थान-

1. 25 नवंबर 2024- जनपद बाड़ी प्रांगण
2. 26 नवंबर 2024- जनपद औबेदुल्लागंज प्रांगण
3. 27 नवंबर 2024- जनपद उदयपुरा प्रांगण
4. 28 नवंबर 2024- जनपद सिलवानी प्रांगण
5. 29 नवंबर 2024-जनपद गैरतगंज प्रांगण
6. 30 नवंबर 2024- जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, रायसेन

इन शिविरों में दिव्यांगजनों का पंजीकरण, जांच, और आवश्यक उपकरणों की मांग को दर्ज किया जाएगा। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन शिविरों के आयोजन में पूरी सहायता प्रदान करें। जिन दिव्यांगजनों को सहायता की आवश्यकता है, उन्हें संबंधित तिथियों पर निर्धारित स्थान पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। यह पहल भारत सरकार की एडीआईपी योजना के तहत दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए की जा रही है।

(जिला कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त सूचना के आधार पर)

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कोचिंग सेंटर में मनाई गई बिरसा मुंडा जी की 150वी जयंती

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

सतना - आपको बता दे कि विगत कई वर्षों से संचालित सतना जिले के अम्बेडकर वार्ड नं 1 में डॉ भीमराव अंबेडकर कोचिंग सेंटर के छात्राओं के द्वारा बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ महापुरुष बिरसा मुंडा जी 150वी जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किए एवं छात्र छात्राओं ने बिरसा मुंडा जी के जीवन संघर्ष पर चर्चा किए बिरसा मुंडा जी के जयंती के उपलक्ष्य में कोचिंग संचालक के द्वारा छात्र छात्राओं पिन वितरण एवं खान पान करवाया गया7 कोचिंग संचालक राकेश कुमार बौद्ध ने छात्र छात्राओं से कहा कि आज के दिन बिरसा मुंडा जी का जन्म बिरसा मुंडा 15 नम्बर 1875 को झारखंड में हुआ इनके पिता का नाम सुगना पूर्ति (मुंडा)और माता का नाम करमी पूर्ति (मुंडा)था ये एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे।और बहुत ही कम उम्र में ही बिरसा मुंडा जी की अंग्रेजों के खिलाफ जंग छिड़ गई थी जिसे उन्होंने मरते दम तक कायम रखा था और उनके समर्थको ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे जल ,जंगल ,जमीन, और स्वत्व की रक्षा के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया आजादी के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले बिरसा मुंडा जी ने उलगुलान क्रांति का आव्हान किया बिरसा मुंडा जी की गौरव गाथा युगों युगों तक प्रेरणा देती रहेगी इन्हें धरती का अब्बा भी कहते है इसका अर्थ

है पृथ्वी का पिता इस दिन को गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है इसका उद्देश्य बिरसा मुंडा जी और अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सम्मान करना और यह विशेष दिवस हमारे जनजातीय समाज के अद्वितीय योगदान ,उनकी वीरता और सांस्कृतिक धरोहर के सम्मान का प्रतीक है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में न्याय व्यवस्था विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार। शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में उच्च शिक्षा मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 19 /11 /2024 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा में न्याय व्यवस्था विषय पर किया गया ।कार्यक्रम का संरक्षण महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर कल्पना भारद्वाज के द्वारा किया गया ।भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉक्टर अभिषेक सिंह द्वारा विषय को प्रवर्तित किया गया। कार्यक्रम में विभाग अध्यक्ष श्री शिवाकांत मौर्य राजदीप सिंह भदोरिया मौजूद रहे ।कार्यक्रम का सुचारू संचालन डॉ हरी प्रकाश मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहयोग डॉक्टर ओम शर्मा एवं श्री मनोज कुमार शर्मा के द्वारा किया गया। निबंध प्रतियोगिता में एलएलबी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के लगभग 23 विद्यार्थियों के द्वारा सहभागिता की जिसमें मिनाज सिद्धकी प्रथम स्थान, वंशिता यादव द्वितीय स्थान एवं तनुश्री तृतीय स्थान पर रही।

शासकीय महाविद्यालय, उदयपुरा में बिरसा मुंडा जयंती धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

उदयपुरा। शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में आज आदिवासी जननायक बिरसा मुंडा की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पण के साथ की गई। प्राचार्य महोदय ने बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन और उनके बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं से बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने और समाज में सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के ग्रंथपाल श्री सत्येंद्र कुमार आठिया, श्री मनोज कुमार धुर्वे, डॉ.श्याम नेमा,गया प्रसाद मेहरा, संदीप साहू नरेश कहार के साथ-साथ अन्य स्टाफ वह छात्रगण मौजूद रहे।

सीवरेज नाली को गुप्त नर्मदा बताकर हजारों हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़:परम धर्म संसद श्रीधर शर्मा

कुलपति प्रो प्रकाशमणि पर थाना में लिखित शिकायत

अमरकंटक,अनूपपुर। पिछले पांच वर्षों से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक ने एक बोर्ड लगाकर कर्मचारियों के आवासीय परिसर के शौचालय और गंदे पानी को ÷गुप्त नर्मदा÷ के नाम से प्रचारित किया। यह कृत्य न केवल नर्मदा मैया की पवित्रता का अपमान है, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने वाला भी है। विश्वविद्यालय में आए अतिथियों, जिनमें मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, शहडोल कमिश्नर, अनूपपुर कलेक्टर, कई केंद्रीय मंत्री, और अमरकंटक के संत शामिल हैं, को इस गंदे पानी को ÷गुप्त नर्मदा÷ मानकर पूजा करने के लिए गुमराह किया गया। यही नहीं, विश्वविद्यालय के सौ से अधिक कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों से जबरन विश्वविद्यालय के गीत में ÷गुप्त नर्मदा÷ का उल्लेख करवाया गया। तेजी से बढ़ते दबाव के बीच, विश्वविद्यालय प्रशासन ने जिला और पुलिस प्रशासन के साथ हुई बैठक में स्वीकार किया कि तथाकथित ÷गुप्त नर्मदा÷ वास्तव में स्टाफ क्वार्टर का गंदा सीवरेज का नाला है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुप्त नर्मदा का अपमानजनक बोर्ड हटा दिया और एसडीएम राजेंद्रग्राम को लिखित में दिया कि ÷गुप्त नर्मदा÷ का साईन बोर्ड हटा दिया गया है। इस स्वीकारोक्ति से कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी अपने धार्मिक और नैतिक अपराधों से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने पांच वर्षों तक जानबूझकर इस झूठ का प्रचार किया, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई और हिंदू समाज की आस्था के साथ खिलवाड़ किया। यह एक गंभीर अपराध है, जिसके लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इस मामले को लेकर श्रीधर शर्मा (अधिवक्ता) 1008 परम धर्म संसद शहडोल अमरकंटक थाना में लिखित शिकायत करके नर्मदा मैय्या एवं हजारों हिन्दू धर्म के लोगों के पूजा करने के आस्था से खिलवाड़ एवं अपवित्र सीवरेज के पानी को गुप्त नर्मदा बताकर शब्दों, संकेतों, चित्रों से हिन्दू जाति, हिन्दू धर्म का अपमान करने, हिन्दू युवाओं में आस्था से खिलवाड़ करने हिंसा भड़काने, सार्वजनिक सद्भाव और शांति को भंग करने के मामले में प्रो श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी पर तत्काल अपराध दर्ज कर गिरफ्तार करने का आवेदन थाना प्रभारी अमरकंटक को दिया है।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री, साधु समाज को बनाया घोर पाप का भागीदार

श्रीधर शर्मा ने बताया की पिछले पांच वर्षों में, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह, और कई मंत्री, आईएएस, आईपीएस अधिकारी, संत, आम जनता और छात्र–इन सभी को अनजाने में इस घोर आपत्तिजनक कृत्य का भागीदार बनाया गया। अब जब इन लोगों को इस अपमानजनक सच्चाई का पता चला है, तो वे इसे अपने ऊपर एक पाप के रूप में अनुभव कर रहे हैं और गहरा दुख महसूस कर रहे हैं। प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी ने जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण इरादे से हिंदू धर्म और नर्मदा मैय्या के प्रति असीम श्रद्धा रखने वाले भक्तों की धार्मिक

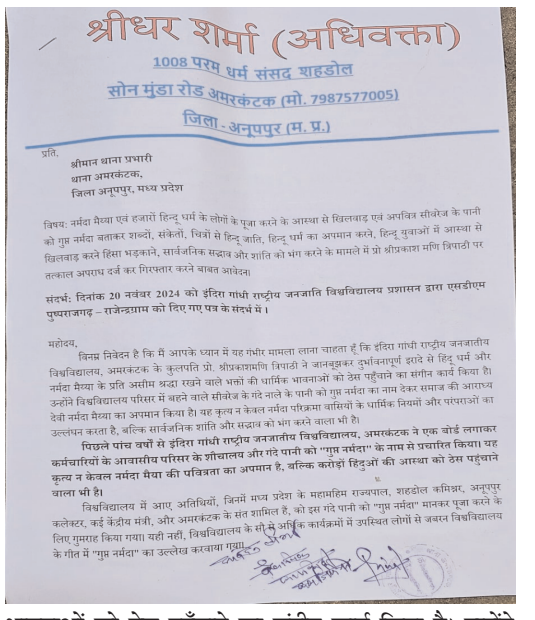

श्रीधर शर्मा (अधिवक्ता)
1008 परम धर्म संसद शहडोल
सोन मुंडा रोड अमरकंटक (मो. 7987577005)
जिला - अनूपपुर (म. प्र.)

प्रति,
श्रीमान थाना प्रभारी
थाना अमरकंटक,
जिला अनूपपुर, मध्य प्रदेश

विषय: नर्मदा मैय्या एवं हजारों हिन्दू धर्म के लोगों के पूजा करने के आस्था से खिलवाड़ एवं अपवित्र सीवरेज के पानी को गुप्त नर्मदा बताकर शब्दों, संकेतों, चित्रों से हिन्दू जाति, हिन्दू धर्म का अपमान करने, हिन्दू युवाओं में आस्था से खिलवाड़ करने हिंसा भड़काने, सार्वजनिक सद्भाव और शांति को भंग करने के मामले में प्रो श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी पर तत्काल अपराध दर्ज कर गिरफ्तार करने बाबत आवेदन।

संदर्भ: दिनांक 20 नवंबर 2024 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एसडीएम पुष्पराजगढ़ – राजेन्द्रग्राम को दिए गए पत्र के संदर्भ में।

महोदय,
विनम्र निवेदन है कि मैं आपके ध्यान में यह गंभीर मामला लाना चाहता हूँ कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी ने जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण इरादे से हिंदू धर्म और नर्मदा मैय्या के प्रति असीम श्रद्धा रखने वाले भक्तों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का संगीन कार्य किया है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में बहने वाले सीवरेज के गंदे नाले के पानी को गुप्त नर्मदा का नाम देकर समाज की आराध्य देवी नर्मदा मैय्या का अपमान किया है। यह कृत्य न केवल नर्मदा परिक्रमा वासियों के धार्मिक नियमों और परंपराओं का उल्लंघन करता है, बल्कि सार्वजनिक शांति और सद्भाव को भंग करने वाला भी है।

पिछले पांच वर्षों से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक ने एक बोर्ड लगाकर कर्मचारियों के आवासीय परिसर के शौचालय और गंदे पानी को "गुप्त नर्मदा" के नाम से प्रचारित किया। यह कृत्य न केवल नर्मदा मैया की पवित्रता का अपमान है, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने वाला भी है।

विश्वविद्यालय में आए अतिथियों, जिनमें मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, शहडोल कमिश्नर, अनूपपुर कलेक्टर, कई केंद्रीय मंत्री, और अमरकंटक के संत शामिल हैं, को इस गंदे पानी को "गुप्त नर्मदा" मानकर पूजा करने के लिए गुमराह किया गया। यही नहीं, विश्वविद्यालय के सौ से अधिक कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों से जबरन विश्वविद्यालय के गीत में "गुप्त नर्मदा" का उल्लेख करवाया गया।

भावनाओं को ठेस पहुँचाने का संगीन कार्य किया है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में बहने वाले सीवरेज के गंदे नाले के पानी को गुप्त नर्मदा का नाम देकर समाज की आराध्य देवी नर्मदा मैय्या का अपमान किया है। यह कृत्य न केवल नर्मदा परिक्रमा वासियों के धार्मिक नियमों और परंपराओं का उल्लंघन करता है, बल्कि सार्वजनिक शांति और सद्भाव को भंग करने वाला भी है।

विश्वविद्यालय के कुलगीत में गुप्त नर्मदा का अपमानजनक संदर्भ : श्रीधर शर्मा ने बताया की प्रो. त्रिपाठी द्वारा स्वीकृत विश्वविद्यालय के कुलगीत में 'गुप्त नर्मदा' का उल्लेख किया गया है, जो उनके हस्ताक्षर से प्रमाणित है। यह एक शैक्षणिक संस्थान के कुलपति के रूप में उनकी जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता की गंभीर उपेक्षा को दिखाता है। नर्मदा मैय्या के हर कंकर को शिवलिंग का प्रतीक माना जाता है, जिसे श्रद्धा और पवित्रता के साथ पूजा जाता है। सीवरेज के पानी के कंकड़ों को 'गुप्त नर्मदा' कहकर उनकी धार्मिक मान्यता का घोर अपमान किया गया है।

कुलपति को कड़ी सजा दिलाने बुलाई जाएगी धर्म संसद: श्रीधर शर्मा ने बताया की नर्मदा मैया का अपमान और हिंदू आस्था के साथ किया गया यह धोखा केवल प्रशासनिक सुधारों से नहीं सुधारा जा सकता। न्याय की मांग है कि इस गंभीर अपराध के लिए कठोरतम कार्रवाई की जाए। इस घिनौने कृत्य के विरोध में एक धर्म संसद भी बुलाई जाएगी, जिसमें इस पापी कुलपति को सबसे कड़ी सजा दिलाने पर विचार किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसा अपराध फिर कभी न हो। हिंदू समाज, संत और भक्तजन न्याय और आस्था की रक्षा के लिए एकजुट हैं। यह आवश्यक है कि हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का यह घोर अपमान शीघ्र न्यायिक कार्रवाई से सुधारा जाए। विश्वविद्यालय परिसर में बहने वाले सीवरेज के पानी को 'गुप्त नर्मदा' बताकर, प्रो. त्रिपाठी ने नर्मदा परिक्रमा करने वाले भक्तों की धार्मिक आस्था और परंपरा को अपमानित किया है। नर्मदा परिक्रमा वासी नर्मदा नदी या उसकी सहायक नदियों को पार नहीं करते हैं, क्योंकि यह उनके धर्म में पाप माना जाता है। गंदे नाले को 'गुप्त नर्मदा' कहने का उद्देश्य उनकी मान्यताओं और परंपराओं का उपहास करना प्रतीत होता है।

नर्मदा मैय्या की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता: नर्मदा मैय्या को हिंदू धर्म में वैराग्य और पवित्रता की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। नर्मदा के दोनों तटों पर हजारों तीर्थ, ज्योतिर्लिंग और पवित्र स्थल स्थित हैं, जहाँ करोड़ों श्रद्धालु परिक्रमा करते हैं। नर्मदा के संदर्भ में प्राचीन ग्रंथों और पुस्तकों में कहीं भी 'गुप्त नर्मदा' का उल्लेख नहीं मिलता।

हनुमान चालीसा स्वर पाठ के साथ राजेन्द्र ग्राम में विप्र समाज की बैठक

विप्र समाज अनूपपुर का नेक नियत ईमानदारी निष्पक्षता एवं समाज सेवा भाव समाज के लिए अनुकरणीय

संतोष मिश्रा

अनूपपुर। विगत दिवस को जोहिला नदी के तट पर स्थित अत्यंत ख्याति प्राप्त दक्षिण मुखी संकटमोचन हनुमान जी के मंदिर परिसर में भगवान परशुराम का मंदिर बनना प्रस्तावित है वहां हनुमान चालीसा के स्वर पाठ विप्र समाज का बैठक मंहत हरिदास महराज के अध्यक्षता में पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रारम्भ हुआ संचालन करते हुए आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा अनूपपुर के जिलाध्यक्ष पंडित चैतन्य मिला ने अपनी बात रखते हुए कहा कि विप्र समाज अनूपपुर का मुख्य उद्देश्य समाज के अंदर संस्कार का ज्ञान देने के साथ साथ चंदा से धंधा रहित एवं समाज के कार्यों में राजनीतिक गतिविधियों से दूरी बनाए रखना है।

जिला विप्र समाज के संयोजक मानस मर्मज्ञ पंडित रामनारायण द्विवेदी ने समाज द्वारा चलाए जा रहे पूरे कार्यक्रम का विस्तृत विवरण रखते हुए बताया कि अनूपपुर जिले के पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण स्थित समस्त ग्राम नगरीय क्षेत्र में निवासरत विप्र परिवारों को कम से कम 11000 सदस्यों को बनाने के लक्ष्य जिसमें एक नारियल और जनेऊ के साथ बिना चंदा लिए सदस्यता अभियान हेतु समर्थन और सुझाव मांगा,जिस पर उपस्थित सर्व ब्राह्मण समाज पुष्पराजगढ़ के सभी उपस्थित विप्रजनों के द्वारा एक स्वर में सहमति व्यक्त की गई। उपस्थित विप्र वृंद हनुमान जी के भव्य प्रतिमा के आगे अपने अपने सदस्यता के लिए श्रीफल और जनेऊ एवं हनुमान जी एवं परशुराम जी के जयकारे के साथ संयोजक पंडित रामनारायण द्विवेदी को सौंपकर सदस्यता ली। बैठक के कार्यक्रम में सर्व ब्राह्मण समाज पुष्पराजगढ़ के अध्यक्ष अधिवक्ता पंडित

संतोष मिश्रा ने राजेन्द्र ग्राम में चलाए जा रहे गतिविधियों की प्रमाणिकता के साथ जानकारी दी तथा विप्र समाज द्वारा चलाए जा रहे गंभीरता पूर्वक समाज को राजनीति से पृथक दिखावा से दूर चंदे के धंधे से दूरी बनाने के निर्णय का समर्थन करते हुए कहा विप्र समाज अनूपपुर का नेक नियत ईमानदारी निष्पक्षता एवं समाज सेवा भाव समाज के लिए अनुकरणीय है, राजेंद्रग्राम क्षेत्र का समस्त विप्र समाज आपके साथ है।इसी तारतम्य में पुष्पराजगढ़ सर्व ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा जी ने कहा कि हमारा धार्मिक उद्देश्य धार्मिक ज्ञान का प्रसार,आध्यात्मिक विकाश की बढ़ावा,अनुष्ठानों और त्यौहारों का आयोजन तथा धर्म शिक्षा के प्रसार के साथ ही धर्म के मूल्यों को बनाए रखना विप्र समाज का यह उद्देश्य हमारे लिए अनुकरणीय है। सचिव पंडित शीलवंत प्रसाद तिवारी ने कहा कि विप्र समाज के उद्देश्यों में मुख्यतः नैतिक दृष्टिकोण निष्पक्षता,न्याय,सच्चाई,करुणा,सेवाभाव,सहानुभूति,आत्मविश्वास,जिम्मेदारी की पहचान होती है।

इन्होंने ग्रहण की सदस्यता

विप्र समाज के संयोजन पंडित रामनारायण द्विवेदी जी को श्रीफल और जनेऊ सौंपकर बाबा हरिदास ,संतोष मिश्रा,शीलवंत प्रसाद तिवारी,प्रमोद शर्मा,शिवानंद पांडे,नागेंद्र कुमार शुक्ला,शांति भूषण मिश्रा,मोनल तिवारी,सोनल तिवारी,अमन त्रिपाठी,लाल बहादुर दुबे,,रामानंद त्रिपाठी,राजेंद्र चतुर्वेदी जी साथ ही अन्य उपस्थित विप्रवरों ने ली सदस्यता,साथ ही विप्र समाज के संयोजन पंडित रामनारायण द्विवेदी जी के द्वारा सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों को राजेंद्रग्राम उसके आसपास के

विप्र समाज के परिवार को जोड़ने का उत्तरदायित्व दिया।जिससे 11000 परिवार को जोड़ने में सफलता प्राप्त हो सके। इस पूरे कार्यक्रम में विप्र समाज के जिले के प्रतिनिधि मंडल में पंडित शेष नारायण शुक्ला, पंडित जितेंद्र पांडे,पंडित संदीप मिश्रा भी विप्र समाज के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनों से समर्थन मांगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय विधि महाविद्यालय में उच्च शिक्षा मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा पर 18 से 23 नवंबर तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत आज दिनांक 20 नवंबर 2024 को शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदा पुरम में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉक्टर कल्पना भारद्वाज के संरक्षण में किया गया कार्यक्रम के समन्वयक डॉक्टर अभिषेक सिंह के द्वारा कार्यक्रम की आयोजन की व्यवस्था की गई।कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर ओम शर्मा लाइब्रेरियन शासकीय विधि महाविद्यालय रही, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शिवकांत मौर्य, श्री राजदीप सिंह भदोरिया ने किया,साथ ही महाविद्यालय के एल एल बी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता में सहभागिता की। पोस्टर प्रतियोगिता में इरम बानो प्रथम स्थान पर एवं नबीला कुरैशी द्वितीय स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में डॉक्टर हरिप्रकाश मिश्रा क्रीडाअधिकारी एवं मनोज शर्मा सहायक ग्रेट 3 तथा महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

IGNTU बचाओ समिति का आंदोलन तेज,समाधान न मिलने पर छात्र छात्राएं अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

अमरकंटक(विशेष संवाददाता)

IGNTU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय) में हालातों को सुधारने की मांग को लेकर IGNTU बचाओ समिति द्वारा दिनांक 13.11.2024 को तिरंगा यात्रा निकालकर विश्वविद्यालय में लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन सौंपने उनकी यात्रा लालपुर गाँव से शुरू होकर विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करते हुए सीधे एडमिनिस्ट्रेशन भवन तक पहुंची।यात्रा के दौरान कई छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की।हालांकि, विश्वविद्यालय की ओर से किसी जिम्मेदार अधिकारी ने ज्ञापन को स्वीकार नहीं किया।अंततः igntu बचाओ समिति द्वारा विश्वविद्यालय के कुलसचिव के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।समिति के अनुसार 02 दिनों में उनकी मांगों का समाधान नहीं होने पर समिति द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठने का फैसला किया गया था,साथ ही समिति ने प्रशासन को चेतावनी भी दी थी कि मांगों की अनदेखी गंभीर परिणाम ला सकती है।जिसके बाद 02 दिन बाद भी समिति की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेखित समस्याओं का समाधान नहीं होने पर विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं मुख्य गेट के सामने अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठ गए है। ज्ञापन में निम्नलिखित महत्वपूर्ण मांगो का उल्लेख किया गया था,जिसमें गौरेला,अमरकंटक एवं राजेंद्रग्राम से विश्वविद्यालय की बस पुनः शुरू की जाए।क्षेत्रीय विद्यार्थियों को भी छात्रावास आवंटित किया जाए।सभी मेस का टेंडर किया जाए ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके।छात्रावास के छात्रों से शासन द्वारा जो 1000 रुपये की अवैध वसूली की गई है,उसे वापस किया जाए।विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय 24 घंटे खोला जाए।छात्राओं का छात्रावास से बाहर रहने का समय बढ़ाया जाए क्योंकि परिसर में सुरक्षा का प्रश्न नहीं उठता।÷ग्लूट नर्मदा÷ नामकरण को वापस लिया जाए,जो माँ नर्मदा की भक्ति के साथ खिलवाड़ है।नर्मदा शोध छात्रावास का गैरकानूनी कब्जा समाप्त कर उसे वापस छात्रावास बनाया जाए।ष्टश्वञ्ज परीक्षा केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय में की जाए ताकि स्थानीय विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।विश्वविद्यालय में कार्यरत क्षेत्रीय सुरक्षा कर्मियों एवं हाउसकीपिंग स्टाफ को नियमित किया जाए।छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश बोर्ड से 12वीं पास विद्यार्थियों का स्नातक में 40% कोटा तय किया जाए।विश्वविद्यालय में चल रही गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती पर तत्काल रोक लगाई जाए और पहले स्थानीय कोटा तय किया जाए फिर भर्ती की जाए। छात्र प्रतिनिधि का कहना है कि विश्वविद्यालय के भविष्य को बचाने के लिए यह अनिश्चितकालीन आंदोलन आवश्यक हो गया है,और हम अपनी मांगों के पूरा होने तक संघर्ष जारी रखेंगे।

कथा में भक्त बनकर आई महिला, गले से पलक झपकते ही पार कर दी सोने की चेन

रिपोर्ट - राजू राय

पुलिस ने किया अंतर्राज्यीय गैंग का पर्दाफाश, 13 महिलाओं से लाखों का माल बरामदमध्य प्रदेश के शहडोल में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय महिला चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने राम कथा में भक्तों की सोने की चेन चोरी करने वाली महिला चोर गिरोह के 13 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से लगभग 10 तोले के आसपास की चोरी की गई चैन मिली है। इसकी कीमत 8 लाख बताई जा रही।

कैसे होंगे महाराष्ट्र - झारखंड के नतीजे और किसकी बनेगी सरकार ?

20 अक्टूबर 2024, भावना मंगलमुखी, मुंबई

* सर्वप्रथम बात करे महाराष्ट्र की तो 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 48 में से 30 सीटें इंडिया गठबंधन तो 17 सीटें महायुति के खाते में गई थी। हालांकि वोट प्रतिशत में लगभग 01 प्रतिशत से भी कम का ही अंतर था और 151 विधानसभा सीटों में महाविकास आघाड़ी तो 127 सीटों पर महायुति को बढ़त थी लेकिन फिलहाल माहौल मामूली हल्का सा महाविकास आघाड़ी के पक्ष में है लेकिन चुनाव प्रबंधन और बूथ मैनेजमेंट मोदी - शाह का बेहतर हो सकता है।
* जनभावना महाविकास आघाड़ी के साथ लेकिन तंत्र और शासन - प्रशासन महायुति के साथ है।
* कट्टर हिंदुत्व और सेक्युलर घटकों के नए समीकरणों से वैचारिक समर्थकों में असमंजस की स्थिति बरकरार है इसलिए उम्मीदवार की पसंद हो सकती है निर्णायक।
* ओवैसी, प्रकाश अंबेडकर, वामन मेश्राम और राज ठाकरे बीजेपी को गाली देते हुए भी निभा सकते हैं उसकी बी टीम का रोल।
* लोकसभा चुनाव में 20 - 30 की लड़ाई अब 20 - 21 पर आ चुकी है फिर भी गावों में महाविकास आघाड़ी की स्थिति मजबूत लेकिन शहरों में उत्तर भारतीय मतदाता दिला सकते हैं बीजेपी को बढ़त !
* मराठा - गैर मराठा से भी ज्यादा निर्णायक हो सकता है बंटोगे तो कटोगे का हिंदू - मुस्लिम अंडरकरंट !
* अगर हिंदुत्व का कार्ड चला तो उद्धव ठाकरे को लग सकता है झटका क्योंकि उद्धव ठाकरे को मुस्लिम तो कर सकते है समर्थन लेकिन कट्टर हिंदू कर सकते है बीजेपी - शिंदे पर भरोसा !
* अजित पवार की स्थिति हरियाणा बीजेपी के जाट नेताओं जैसी ही है, बीजेपी समर्थक उन्हें हिंदू नहीं मानते और उनके भूतपूर्व मुस्लिम समर्थक उन्हें सेक्युलर नहीं मानते !
* लाड़की बहिन योजना से महिलाओं का समर्थन जा सकता है महायुति की ओर !
* महायुति में शिंदे को तो महाविकास आघाड़ी में शरद पवार को मिल सकता है सबसे अच्छा स्ट्राइक रेट ! साथ ही स्ट्राइक रेट में पिछड़ सकते है अजित पवार और उद्धव ठाकरे !
* अंत में अगर चुनाव आयोग और ईवीएम का खेल न हो तो बीजेपी लगभग 80 सीटों पर, शिवसेना शिंदे 40 सीटों पर और राष्ट्रवादी अजित पवार लगभग एक दर्जन सीटों पर बढ़त के साथ महायुति 130 से 140 सीटों के बीच रह सकती है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस करीब 60 सीटों पर, शरद पवार 40 सीटों पर और उद्धव ठाकरे करीब तीन दर्जन सीटों पर बढ़त के साथ महाविकास आघाड़ी भी 130 से 140 सीटों तक पहुंच सकती है। साथ ही दोनों गठबंधनों का वोट शेयर भी करीब 40 - 40 प्रतिशत के आसपास और लगभग बराबर ही रहने वाला है।
* इस बार लगभग 20 से 22 सीटें निर्दलियों या छोटे दलों के खाते में भी जा सकती है।

विशेष -

* जनता की अदालत में एकनाथ शिंदे पर लग सकती है असली शिवसेना की मुहर तो शरद पवार के पास जा सकती है असली राष्ट्रवादी कांग्रेस !
* परिणाम पश्चात भी सरकार बनाने में हो सकता है विलंब और लग सकता है राष्ट्रपति शासन !
* अगर महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन वाले जीत भी जाते हैं तो भी जब तक केंद्र में बीजेपी की सरकार रहेगी, तोड़ - फोड़ करके भी बीजेपी महाराष्ट्र की सत्ता हथिया कर ही रहेगी क्योंकि यहां हर कोई बिकने को तैयार रहता है। 50 खोके बिल्कुल ओके !
* अगर महायुति को बहुमत मिलता है लेकिन एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो शिंदे शरद पवार के माध्यम से जा सकते है महाविकास आघाड़ी की ओर और हिला सकते है दिल्ली की कुर्सी भी !

अब बात करे झारखंड की तो यहां 2024 में लोकसभा की 14 में से 09 सीटें बीजेपी तो आदिवासी बहुल पांचों सीटें इंडिया गठबंधन जीतने में कामयाब रहे थे लेकिन वह चुनाव मोदीजी के नाम पर था और हेमंत सोरेन भी भ्रष्टाचार के संदेह में जेल में थे जबकि अभी हेमंत सोरेन भी जमानत पाकर आदिवासियों के सबसे बड़े ब्रांड बन चुके है जबकि बीजेपी ने अपने किसी बड़े आदिवासी नेता को आगे नहीं किया इसलिए एंटी इनकमबैन्सी के बावजूद हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन मिलकर कम से कम आदिवासी वोटबैंक के सहारे जेएमएम के प्रदर्शन को बरकरार रख सकेंगे लेकिन कांग्रेस मजबूती से लड़ती ही नज़र नहीं आ रही है इसलिए मामला महाराष्ट्र की भांति कांटे का बना हुआ है लेकिन चूंकि चुनाव आयोग बीजेपी के साथ है इसलिए एनडीए 40 - 41 तथा इंडिया गठबंधन 36 - 37 सीटों पर आगे रहने की उम्मीद है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र और झारखंड दोनों ही राज्यों में बढ़त भले इंडिया गठबंधन को मिल भी जाए लेकिन जब तक स्पष्ट बहुमत नहीं मिलेगा, ईडी - सीबीआई के भय से निर्दलीय विधायक बीजेपी के साथ जाना पसंद करेंगे और सरकार दोनों ही राज्यों में एनडीए की ही बनने की संभावनाएं ज्यादा है।

छात्रावास से छात्रों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, बताई अनियमितताएं, खराब गुणवत्ता वाला खाना कब तक खाएं।

एसडीम को ज्ञापन देते हुए छात्र

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

सिलवानी। अनुसूचित जनजाति छात्रावास में रहने वाले छात्रों ने प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ बुधवार को तहसील कार्यालय में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से आदिम जाति कल्याण मंत्री और कलेक्टर से कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया है कि पिछले दो वर्षों से छात्रावास में छात्रों को खराब गुणवत्ता वाला भोजन परोसा जा रहा है, जिसमें कीड़े-मकोड़े और कंकड़-पत्थर जैसे अशुद्ध पदार्थ शामिल होते हैं। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन को बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इस पर एसडीएम प्रकाश चंद शाक्य ने बताया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। छात्रों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द उचित कदम उठाकर समस्या का समाधान करेगा।

मुख्य मांगे-

1. छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्था।
2. दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई।
3. नियमित निरीक्षण की प्रक्रिया लागू करना।

मंत्री केदार कश्यप बताये, भाजपा से मुसलमानों को कब बाहर का रास्ता दिखा रहे हैं - अरुण पाण्डेय

सोसल मिडिया में वक़्फ़ बोर्ड से नफ़रत, असल में वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष का स्वागत मंत्री केदार कश्यप का यह कैसा दो रीती नीति - शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे)

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा के वरिष्ठ नेता, कैबिनेट मंत्री और बस्तर अंचल में बड़े आदिवासी नेता माने जाने वाले केदार कश्यप ने अपने सोसल मिडिया पोस्ट में वक़्फ़ बोर्ड के नाम का उल्लेख करते हुए मुसलमानों पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने फेसबुक सोसल मिडिया पेज़ में लिखा है कि कांग्रेस है तो वक़्फ़ बोर्ड सेफ है। जिस पर शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) के वरिष्ठ नेता व ज़िला अध्यक्ष अरुण कुमार पाण्डेय् ने निशाना साधते हुए कहा है कि बाटेंगे काटेंगे का नारा उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र में फ़ैल होने के बाद उसे छत्तीसगढ़ में इस्तेमाल करके धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे है। जबकि मंत्री केदार कश्यप के फ़ोटो लगे हुए हज़ारों बैनर पोस्टर जगदलपुर में लगाए गए हैं जिसमें भाजपा द्वारा वक़्फ़ बोर्ड के नव नियुक्त अध्यक्ष का नगर आगमन पर स्वागत किया जा रहा है। शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) के ज़िला अध्यक्ष अरुण पाण्डेय् ने इसी बात पर मंत्री केदार कश्यप से सीधा सवाल किया है कि ऐसी दो नीति से जनता में समाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश वे क्यों कर रहे हैं? अगर मंत्री केदार कश्यप और भाजपा के लोगों को वक़्फ़ बोर्ड या मुइलमानों से नफ़रत है तो उनके अध्यक्ष का स्वागत क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दरअसल भाजपा के द्वारा लोगों द्वारा इसी प्रकार दो नीति का इस्तेमाल करके भोलेभाले युवाओं को बरगलाने का काम किया जाता है ताकि वे हिंदू - मुस्लिम में फंसे रहे और इनका वोटबैंक तैयार होते रहे। शिवसेना के ज़िला अध्यक्ष ने कहा है कि भाजपा नेता और मंत्री केदार कश्यप को यह बताना होगा कि उन्हें वक़्फ़ बोर्ड और मुसलमानों से नफ़रत क्यों है? और अगर उन्हें या उनकी पार्टी को मुसलमानो से नफ़रत है तो अपने पार्टी से मुसलमानों को कब बाहर का रास्ता दिखा रहे हैं।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सन 1942 के अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी की 109वीं

जयंती समारोह

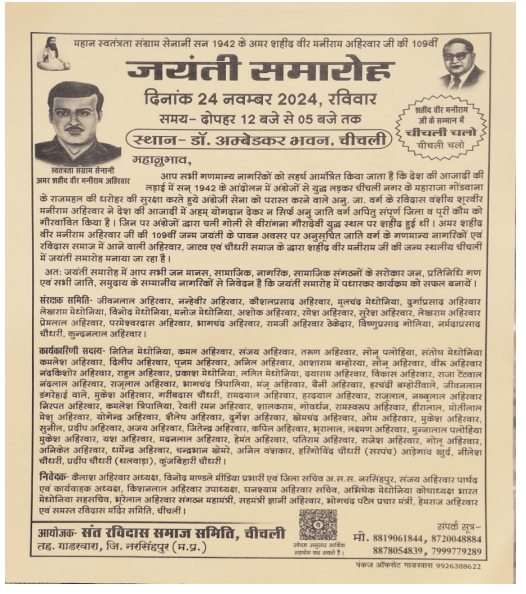

दिनांक 24 नवम्बर 2024, रविवार

समय- दोपहर 12 बजे से 05 बजे तक

स्थान- डॉ. अम्बेडकर भवन, चीचली

शहीद वीर मनीराम जी के सम्मान में चीचली चलो चीचली चलो

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार

महानुभाव,

आप सभी गणमान्य नागरिकों को सहर्ष आमंत्रित किया जाता है कि देश की आजादी की लड़ाई में सन् 1942 के आंदोलन में अंग्रेजों से युद्ध लड़कर चीचली नगर के महाराजा गोंडवाना के राजमहल की धरोहर की सुरक्षा करते हुये अंग्रेजी सेना को परास्त करने वाले अनु. जा. वर्ग के रविदास वंशीय शूरवीर मनीराम अहिरवार ने देश की आजादी में अहम् योगदान देकर न सिर्फ अनु जाति वर्ग अपितु संपूर्ण जिला व पूरी कौम को गौरवांवित किया है। जिन पर अंग्रेजों द्वारा चली गोली से वीरांगना गौरादेवी युद्ध स्थल पर शहीद हुई थी। अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी की 109वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर अनुसूचित जाति वर्ग के गणमान्य नागरिकों एवं रविदास समाज में आने वाली अहिरवार, जाटव एवं चौधरी समाज के द्वारा शहीद वीर मनीराम जी की जन्म स्थलीय चीचली में जयंती समारोह मनाया जा रहा है।

अतः जयंती समारोह में आप सभी जन मानस, सामाजिक, नागरिक, सामाजिक संगठनों के सरोकार जन, प्रतिनिधि गण एवं सभी जाति, समुदाय के सम्मानीय नागरिकों से निवेदन है कि जयंती समारोह में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

संरक्षक समिति- जीवनलाल अहिरवार, नन्हेवीर अहिरवार, कौशलप्रसाद अहिरवार, मूलचंद मेधोनिया, दुर्गाप्रसाद अहिरवार लेखराम मेधोनिया, विनोद मेधोनिया, मनोज मेधोनिया, अशोक अहिरवार, रमेश अहिरवार, सुरेश अहिरवार, लेखराम अहिरवार प्रेमलाल अहिरवार, परमेश्वरदास अहिरवार, भागचंद अहिरवार, रामजी अहिरवार ठेकेदार, विष्णुप्रसाद गोलिया, नर्मदाप्रसाद चौधरी, कुन्दनलाल अहिरवार।

कार्यकारिणी सदस्य- नितिन मेधोनिया, कमल अहिरवार, संजय अहिरवार, तरूण अहिरवार, सोनू पलोहिया, संतोष मेधोनिया कमलेश अहिरवार, दिलीप अहिरवार, पूनम अहिरवार, अनिल अहिरवार, आशाराम बम्होरया, सोनू अहिरवार, वीरू अहिरवार नंदकिशोर अहिरवार, राहुल अहिरवार, प्रकाश मेधोनिया, ललित मेधोनिया, दयाराम अहिरवार, विकास अहिरवार, राजा टेंटवाल नंदलाल अहिरवार, राजूलाल अहिरवार, भागचंद त्रिपालिया, मंजू अहिरवार, बैनी अहिरवार, हरचंदी बम्होरीवाले, जीवनलाल डंगरेहाई वाले, मुकेश अहिरवार, गरीबदास चौधरी, रामदयाल अहिरवार, हरदयाल अहिरवार, राजूलाल, नब्बूलाल अहिरवार निरपत अहिरवार, कमलेश त्रिपालिया, रेवती रमन अहिरवार, शालकराम, गोवर्धन, रामस्वरूप अहिरवार, हीरालाल, मोतीलाल मेशू अहिरवार, योगेन्द्र अहिरवार, शैलेष अहिरवार, दुर्गेश अहिरवार, खेमचंद अहिरवार, ओम अहिरवार, मुकेश अहिरवार, सुनील, प्रदीप अहिरवार, अजय अहिरवार, जितेन्द्र अहिरवार, कपिल अहिरवार, भूरालाल, लक्ष्मण अहिरवार, मुन्नालाल पलोहिया मुकेश अहिरवार, यश अहिरवार, मदनलाल अहिरवार, हेमंत अहिरवार, पतिराम अहिरवार, राजेश अहिरवार, गोलू अहिरवार, अनिकेत अहिरवार, धर्मेन्द्र अहिरवार, चन्द्रभान खेमरे, अनिल वंशकार, हरिगोविंद चौधरी (सरपंच) आड़ेगांव खुर्द, नीलेश चौधरी, प्रदीप चौधरी (थलवाड़ा), कुंजबिहारी चौधरी।

निवेदक- कैलाश अहिरवार अध्यक्ष, विनोद माण्डले मीडिया प्रभारी एवं जिला सचिव अ.स.स. नरसिंहपुर, संजय अहिरवार पार्षद एवं कार्यवाहक अध्यक्ष, किशनलाल अहिरवार उपाध्यक्ष, घनश्याम अहिरवार सचिव, अभिषेक मेधोनिया कोषाध्यक्ष भारत मेधोनिया सहसचिव, भूरेलाल अहिरवार संगठन महामंत्री, सहमंत्री ज्ञानी अहिरवार, भोगचंद पटैल प्रचार मंत्री, हेमराज अहिरवार एवं समस्त रविदास मंदिर समिति, चीचली।

आयोजक- **संत रविदास समाज समिति, चीचली** तह. गाडरवारा, जि. नरसिंहपुर (म.प्र.)

स्वेच्छा अनुसार आर्थिक सहयोग कर सकते है।

संपर्क सूत्र- मो. 8819061844, 8720048884 8878054839, 7999779289

पंकज ऑफसेट गाडरवारा 9926388622

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 112 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में मंगलवार को एडीएम श्री भूपेन्द्र गोयल, श्री अंकुर मेश्राम, डिप्टी कलेक्टर मोहम्मद इकबाल, श्रीमती निधि चौकसे एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 112 आवेदन प्राप्त हुए। एडीएम श्री गोयल, श्री मेश्राम ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण के निर्देश दिए।

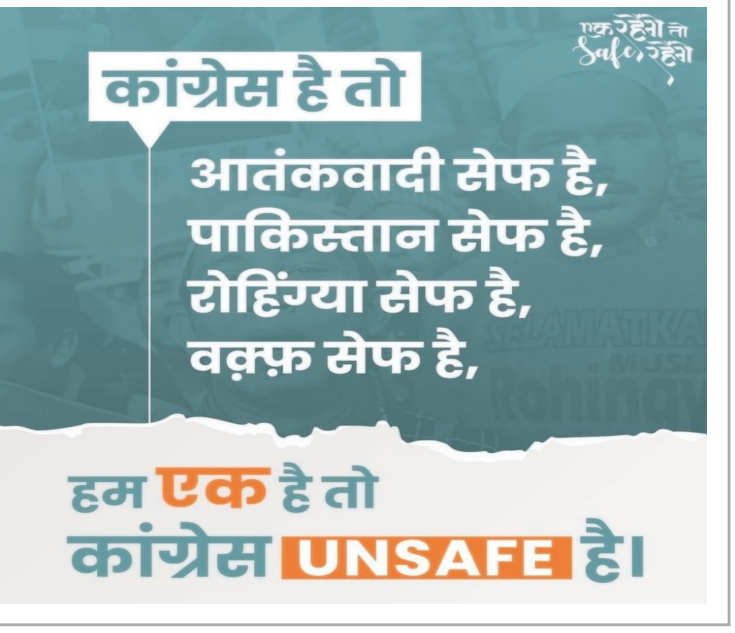

बाड़ी कलां में 32 एकड़ चरोखर' विश्राम भूमि गायब

बाड़ी। गौ माता भी है गोपालन करने वाले लोग भी लेकिन चरोखर एवं गाय माता विश्राम भूमि पर भू माफिया ने अपना अधिकार जमा लिया जिसमें खेती कर लाखों रुपए का कारोबार किया जा रहा है चरोखर भूमि 27 एकड़ एवं गऊघाट का रकवा पर फसल और आलीशान भवन बन गए बगीचा बनाकर लाखों की आय का साधन बन चुके प्रशासन लाचारी के क्या कारण है यह तो राजस्व निरीक्षण अधिकारी ही जाने हजारों मवेशी मलिक हजारों गए पालन करने नगर की पुरानी परंपरा कई परिवार इसी पर आधारित थे हजारों की संख्या में गाय मालिक है लेकिन चरोखर भूमि नहीं होने के कारण गाय माता सड़कों पर मारी मारी फिर रही है जंगल का भाग भी अतिक्रमणकारियों ने अपने कब्जे में कर लिया है 5 से 10 एकड़ माफिया के हाथ में है हम आपको हकीकत वास्तविक स्थिति से अवगत करते हैं

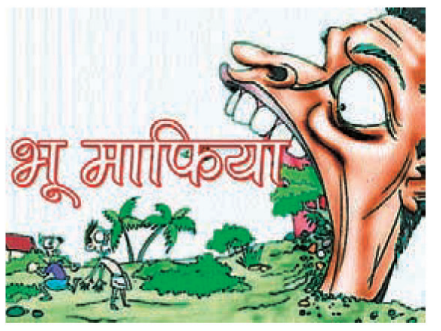

सेवा भूमि पर मालिकाना हक क्यों

चौकीदार चौकीदारी करेगा तो सेवा भूमि का अधिकार रहेगा जब चौकीदार नहीं तो सेवा भूमि क्यों चौकीदार है उसके पास सेवा भूमि क्यों नहीं क्या चौकीदार ही भूमि का मालिक बन सकता है क्या कहता है कानून ग्राम चौकीदार को सेवा भूमि उसकी सेवा समय काल में परिवार के भरण पोषण के लिए दी जाती है एक चौकीदार कितनी भूमि देने का नियम है लेकिन बाड़ी नगर में चौकीदार को नियम विरुद्ध कई एकड़ जमीन दी गई वह जमीन जो गऊघटा की भूमि थी उसे भी सेवा भूमि के रूप में अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया जो नियम और कानून के विरुद्ध है और अपराध भी है पर यह अपराध शासन की मिशनरी के कर्मचारियों अधिकारियों ने इसे चारगाह बना रखा है ।

सेवा भूमि विक्रय का मामला

क्या शासन से मिली सेवा भूमि का बिक्री किया जा सकता है नियम और कानून इसकी इजाजत नहीं देते परंतु जमीन पर सब कुछ हो रहा है सेवा भूमि किसके नाम है और जमीन पर खेती कौन कर रहा है यह नियम और कानून के साथ एक अपराध है लेकिन नगर में सब कुछ हो रहा है ।

राजस्व भूमि को निगल गए अतिक्रमणकारी

मवेशियों की चरोखर भूमि पर बगीचे और आलीशान भवन अब राजस्व रिकॉर्ड में इसका नामांतरण किस आधार पर हुआ किस आधार पर कब्ज दिया गया किस आधार पर भू अधिकार पुस्तिका बनाई गई जांच का विषय है ।

वन विभाग की भूमि पर भी माफिया का कब्जा

वन विभाग के अधिकारी और माफिया के बीच संबंध हमेशा मधुर रहे लगभग 40 एकड़ वन भूमि पर वन माफिया का कब्जा है रिकॉर्ड में क्या है लेकिन जमीन पर भवन बगीचे हैंड पंप नलकूप खनन सब कुछ हो गया है अब सवाल उठता है कि नलकूप खनन की अनुमति किसने दी कितने नलकूप खनन अधिकारियों की कृपा से कितने नियम और कानून के अनुसार यह नियम विरुद्ध हुए कार्य की जांच की जाए तो 40 एकड़ भूमि अतिक्रमण कर्म से मुक्त हो सकती है।

अंत में

चरोखर भूमि एवं गऊघटा विश्राम गुह पर अतिक्रमण कार्यों का कब्जा है लाखों गए भूख से तड़प रही हरियाली नसीब नहीं हो रही उनके विश्रामगृह पर अतिक्रमणकारियों में अपना आशियाना बना लिया अपनी आमदनी का जरिया बना दिया 5 से 10 एकड़ भूमि एक अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है सवाल उठता है गाय माता के नाम पर राजनीति करने वाली समाज सेवी संस्थाओं को यह दिखाई नहीं दे रहे उनकी समाज सेविका नाम की चीज या गाय हमारी माता है यह एक धारा है या कुछ दिल में भी है यह लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ।

वन विभाग कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक डॉ.चौधरी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष

रायसेन। जिला मुख्यालय के समीप ग्राम बागौद गांव में प्राचीन हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु आस्था मूलक कार्य के तहत विधायक डॉ.प्रभुराम चौधरी और जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा (बबलू भैया) द्वारा विधिवत भूमि पूजन किया गया। कैंपा परियोजना के तहत केन-बेतवा लिंक में प्रभावित वन भूमि के बदले प्रस्तावित 49 हैकटेयर वृक्षारोपण क्षेत्र के साथ-साथ केम्पा मद से क्षेत्र के ग्राम वासियों हेतु आस्था मूलक कार्य भी संपादित किए जाते हैं। आस्था मूलक कार्य हेतु क्षेत्र से संबंधित ग्राम वन समिति ग्राम सभा के साथ प्रस्ताव पारित करती है और ग्राम वासियों की मंशा अनुरूप उस राशि का उपयोग हो जाता है। इसी के तहत सामान्य वन मंडल रायसेन की वन परिक्षेत्र रायसेन पश्चिम अंतर्गत बीट बागोद के अंतर्गत ग्राम बागोद में इस आस्था मूलक कार्य हेतु 8,34,625 रुपए की राशि कैंपा मद से वन विभाग द्वारा स्वीकृत की गई है। सामान्य वन मंडल के वन मंडल अधिकारी विजय कुमार द्वारा बताया गया कि इस राशि से क्षेत्र के ग्रामीणो के आधार भूत कार्यों हेतु विकास कार्य कराए जाते हैं। विधायक श्री चौधरी द्वारा वन विभाग के इस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा गया कि ग्राम बागोद जैसे पिछड़े इलाके में इस प्रकार की सौगात ग्राम वासियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में वन विभाग की ओर से उपवन मंडल अधिकारी सुधीर पटले, वन परिक्षेत्र अधिकारी रायसेन पश्चिम बृजेंद्र तिवारी,वन परिक्षेत्र अधिकारी रायसेन पूर्व प्रवेश पाटीदार, खरवई परिक्षेत्र सहायक सर्जन सिंह मीणा समेत वन विभाग का अन्य स्टाफ भी शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम वन समिति बागौद के तत्वाधान में पूर्ण हुआ।

एंटीबायोटिक्स उपयोग पर जागरूकता के लिए 24 नवंबर तक चलेगा विश्व एंटीबायोटिक जन जागरूकता सप्ताह

भोपाल। एंटीबायोटिक दवाओं के तार्किक उपयोग पर जागरूकता के लिए 18 से 24 नवंबर तक विश्व एंटीबायोटिक जन जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष यह सप्ताह ÷एंटीमाइक्रोबिअल्स हैंडल विथ केयर÷ की थीम पर मनाया जा रहा है। सप्ताह के दौरान एंटीबायोटिक के तार्किक उपयोग के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। एंटीमाइक्रोबिअल्स रेजिस्टेंस (एएमआर) तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगी और परजीवी समय के अनुरूप खुद में बदलाव कर लेते है और इन पर दवाओं की अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं हो पाती है। दवा प्रतिरोध के परिणामस्वरूप, एंटीबायोटिक्स और अन्य रोगाणुरोधी एजेंट अप्रभावी हो जाते हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है, जिससे बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। मई 2015 में 68वी विश्व स्वास्थ्य सभा में एंटीबायोटिक दवाओं और अन्य रोगाणुरोधी दवाओं के प्रति प्रतिरोध की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए एक वैश्विक कार्य योजना बनाई गई थी। योजना का एक प्रमुख उद्देश्य प्रभावी संचार के माध्यम से एएमआर के बारे में जागरूकता और समझ में सुधार करना है। एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों को राज्य एंटीबायोटिक पॉलिसी एवं स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइन के अनुसार प्रिसक्रिप्शन के लिए उन्मुखीकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के लिए एंटीबायोटिक के यथोचित उपयोग किए जाने के लिए राज्य शासन द्वारा एंटीबायोटिक पॉलिसी बनाई गई है और इसके प्रभावी परिणाम भी परिलक्षित हो रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि कोई भी दवा, विशेषकर एंटीबायोटिक दवाएं बिना चिकित्सक की सलाह के कभी भी नहीं लेनी चाहिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैरसिया में मंडी, तहसील और गांवों का दौरा कर खाद उपलब्धता और राजस्व अभियान 3.0 की प्रगति का जायजा लिया

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को बैरसिया क्षेत्र का व्यापक दौरा कर खाद की उपलब्धता, राजस्व अभियान 3.0 के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिये मंडी, तहसील कार्यालय और ग्रामीण इलाकों का निरीक्षण कर किसानों से संवाद किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खाद की उपलब्धता मंडी का निरीक्षण

कलेक्टर श्री सिंह ने बैरसिया स्थित मंडी का निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मंडी में उपस्थित किसानों से बातचीत कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को समझा। किसानों ने खाद की मांग और वितरण प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए। श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो और किसानों को समय पर उनकी जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों के हित में हर संभव कदम उठा रहा है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसान बिना किसी असुविधा के आवश्यक खाद प्राप्त कर सकें।

राजस्व अभियान 3.0 की समीक्षा: कलेक्टर श्री सिंह ने बैरसिया तहसील का निरीक्षण कर राजस्व अभियान 3.0 के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने लंबित नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन,

परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, नक्शे में बटांकन, आधार से खसरे की लिंकिंग, पीएम किसान योजना का सेचुरेशन और स्वामित्व योजना के तहत चल रहे प्रकरणों के शीघ्र और पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को राजस्व अभियान 3.0 की सफलता के लिए आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य नागरिकों को राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण करना है और इसके लिए सभी संबंधित विभागों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता सूची में नाम जोड़ने लिए जा रहे हैं आवेदन

- इसी प्रकार वोटर लिस्ट में संशोधन, दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भी मतदान केन्द्रों पर बीएलओ द्वारा ऑफलाइन आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं।

रायसेन। जिले में फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, वोटर लिस्ट में संशोधन, दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के लिए मतदान केन्द्रों पर बीएलओ द्वारा 28 नवम्बर 2024 तक आवेदन लिए जा रहे हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा बुधवार को विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर बीएलओ द्वारा आवेदन प्राप्त किए जाने के कार्य का जायजा लिया गया। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा रायसेन में मतदान केन्द्र क्रमांक 125 तथा 126 शासकीय हाईस्कूल कलेक्ट्रेट कालोनी, मतदान केन्द्र क्रमांक 161 तथा 162 प्राथमिक शाला संजय नगर पहुंचकर बीएलओ द्वारा आवेदन लेने के कार्य का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बीएलओ से मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु अभी तक प्राप्त आवेदनों, मतदान केन्द्र अंतर्गत दर्ज मतदाताओं की संख्या आदि के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि मतदान केन्द्र क्षेत्र में सभी वयस्क नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष शर्मा भी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने बताया कि फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 अंतर्गत जिन युवाओं की उम्र 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की पूर्ण हो रही है, उन युवा मतदाताओं से सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। ऐसे मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, उनसे भी आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। इसी प्रकार वोटर लिस्ट में संशोधन, दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भी मतदान केन्द्रों पर बीएलओ द्वारा ऑफलाइन आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी प्रदान की गई है। ऑनलाइन आवेदन VOTER HELPLINE APP और VOTERS.ECI.GOV.IN के माध्यम से किया जा सकता है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण करने के उपरांत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को किया जाएगा।

घुटनों का दर्द कहीं वह अर्थराइटिस की शुरुआत तो नहीं?

कई बार लोग जोड़ों के दर्द को बढ़ती उम्र का असर समझ लेते हैं लेकिन असल में वे अर्थराइटिस की बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

अर्थराइटिस या गठिया की बीमारी को लेकर अक्सर लोगों में अवेयरनेस की कमी होती है। अर्थराइटिस में जॉइंट पेन या जोड़ों में बहुत अधिक दर्द और सूजन महसूस होती है। यह दर्द इतना तेज होता है कि लोगों के लिए इसे सह पाना मुश्किल हो जाता है। अर्थराइटिस की बीमारी जॉइंट्स को प्रभावित करती है और इसमें, शरीर की हड्डियों के जोड़ वाले स्थानों पर सूजन और दर्द होने लगता है। इसमें. कोहनी और घुटनों के अलावा उंगलियों और कलाइयों में भी दर्द महसूस होता है।

अर्थराइटिस के मरीजों को क्या नहीं खाना चाहिए?

फास्ट फूड

फास्ट फूड, अनाज और बेक्ड फूड जैसे प्रोसेस्ड आइटम में रिफाइंड अनाज, एडेड शुगर, प्रिजर्वेटिव्स और ऐसी चीजें पाई जाती हैं, जो शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करता है।

अल्कोहल

शराब को सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। अर्थराइटिस की बीमारी में शराब और भी खतरनाक है, इससे घुटनों में दर्द की प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

मीट/चिकन/फिश

ज्यादा ओमेगा 6 फैट और कम ओमेगा-3 फैट वाली डाइट ओस्टियोआर्थराइटिस और रयूमेटाइड आर्थराइटिस को और बढ़ाने का काम करते हैं।

नमक

गठिया वाले लोगों के लिए नमक कम खाना चाहिए। झींगा, डिब्बाबंद सूप, पिज्जा,चीज, प्रोसेस्ड मीट और कई अन्य प्रोसेस्ड फूड में नमक बहुत ज्यादा पाया जाता है।

एजीई

एजीई का मतलब है एडवांस ग्लाइसेशन एंड प्रॉडक्ट। ये आमतौर पर अधपके मीट में पाए जाते हैं और कई बार उन्हें पकाने के दौरान बनते हैं। हाई प्रोटीन, मेयोनेज, हाई फैट एनिमल फूड, जिन्हें फ्राई, रोस्ट, ग्रिल या उबाल कर खाया जाता है, एजीई का सबसे बड़ा डाइटरी सोर्स होता है।

सर्दी में लौंग की चाय पीने के फायदे

अदरक और इलायची की चाय बहुत ही पॉप्युलर है। सर्दियों में ज्यादातर लोग अदरक वाली चाय पीना पसंद है। वहीं, गर्मी के मौसम में इलायची वाली चाय खूब पी जाती है। आप अगर चाय के फैन है, तो आपको ठंड के मौसम में लौंग की चाय भी ट्राई करनी चाहिए। यह चाय स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

लौंग के पोषक तत्व

लौंग में प्रोटीन, आयरन, कार्बोहाइड्रेट्स, कैल्शियम, सोडियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, जिंक और कॉपर जैसे तत्वों से भरपूर होती है।

कैसे बनाएं

सबसे पहले लौंग को पीसकर पाउडर बना लें। एक पैन में एक गिलास पानी डालें और साथ ही लौंग का पाउडर भी डाल दे। पानी में उबाल आने तक रूकें। लगभग 3 से 5 मिनट बाद गैस को बंद कर दें और चाय को छान लें। चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें चीनी या गुड़ की जगह शहद भी डाल सकते हैं।

फायदे

- लौंग में मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है। साथ ही इसमें कैल्शियम भी होता है, इसलिए इसकी चाय पीने से दांतों में दर्द की समस्या नहीं होती।
- लौंग की चाय पीने से मुंह की बदबू दूर होती है। साथ ही अगर आपके मसूड़ों से खून आता है, तो आपको रोजाना एक कप लौंग की चाय पीनी चाहिए।
- लौंग की चाय पीने से आपको पेट की समस्या भी नहीं होती, अगर आपको लूज मोशन की दिक्कत है, तो भी आप अदरक की जगह लौंग की चाय पिएं।

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता का सुरक्षा कवच है चुकंदर

इस मौसम में लोगों के शरीर की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है और बीमारियों के हमले की आशंका बढ़ती है। ऐसे में चुकंदर का सेवन कई तरह से सुरक्षा कवच साबित होता है।

बदलते मौसम में इम्युनिटी को बूस्ट करना बेहद जरूरी होता है। आहार विशेषज्ञ दैनिक आहार में ज्यादा से ज्यादा एंटी ऑक्सिडेंट और पौष्टिक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह देते हैं। उनमें से एक है- गहरे लाल बैंगनी रंग का चुकंदर। यह यूं तो साल भर मिलता है, लेकिन सर्दियों में इसे बेहद चाव से खाया जाता है। चुकंदर में कई ऐसे पौष्टिक तत्व मौजूद हैं, जो इसे सुपरफूड का दर्जा देते हैं। चुकंदर में कैलोरी बहुत कम होती है, लेकिन विटामिन, मिनरल्स जैसे पौष्टिक तत्वों और कई एंटी ऑक्सिडेंट गुणों की प्रचुरता होती है, जो इसे औषधीय गुणों में लबरेज बनाती है। एक चुकंदर का नियमित सेवन व्यक्ति को इस मौसम में निरोगी रखने में मदद तो करता ही है, त्वचा को भी निखारता है।

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

चुकंदर में मौजूद एंटी ऑक्सिडेंट तत्व शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। बेटानिन एंटी ऑक्सिडेंट नामक पिगमेंट या रंग होता है, जो एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों को बढ़ाता है। इससे सर्दी-खांसी, श्वसन तंत्र संबंधी बीमारियों के उपचार में मदद मिलती है।

सांस की तकलीफ में सहायक

इस मौसम में एलर्जिक लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है। एंटी ऑक्सिडेंट से भरपूर चुकंदर के नियमित सेवन से उनके शरीर में ऑक्सीकरण की प्रक्रिया सुचारु रूप से चलने लगती है।

पाचन प्रक्रिया को करे दुरुस्त

चुकंदर में मौजूद बेटेन तत्व आंतों को साफ करता है और पेट से जुड़ी बीमारियों से बचाता है। एक कप चुकंदर में करीब साढ़े तीन ग्राम फाइबर होता है, जो अपच, कब्ज या इरिटेबल बाउर्ल सिंड्रोम, इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। सुबह नाश्ते से पहले एक गिलास चुकंदर के जूस में एक चम्मच शहद को मिलाकर पीना चाहिए।

चुकंदर का जूस उल्टी, दस्त, पाचन संबंधी गड़बड़ी, जॉण्डिस और हेपेटाइटिस जैसी बीमारी में काफी सहायक होता है। चुकंदर के जूस में एक चम्मच नीबू का रस मिलाकर तरल भोजन के रूप में लेने से लाभ होता है।

करे शरीर को डिटॉक्सीफाई

चुकंदर में सोडियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, क्लोरीन और आयोडीन जैसे तत्व पाए जाते हैं। पोटैशियम शरीर को पोषण प्रदान करने में मदद करता है। क्लोरीन लिवर, किडनी और गॉल ब्लैडर से विषैले और एलर्जन तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। चुकंदर के रस में गाजर और खीरे के जूस को मिलाकर पीना अधिक फायदेमंद साबित होता है।

रखे दिल का ख्याल

इस मौसम में तापमान कम होने से हार्ट आर्टरीज ब्लॉक हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन, ब्लड और पोषक तत्वों की सप्लाई में रुकावट आती है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए हार्ट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ जाता है और हार्ट अटैक का खतरा रहता है। चुकंदर के जूस में अकार्बनिक कैल्शियम, फोलेट और नाइट्रेट रसायन होता है, जो रक्त में नाइट्रिक ऑक्साइड गैस बनाता है। यह रसायन ब्लड आर्टरीज पर पड़ने वाले दबाव को कम कर ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की बीमारी का खतरा कम होता है।

एनीमिया में हो सुधार

चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में आयरन, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो खून मे हीमोग्लोबिन बढ़ाने और खून साफ करने का काम भी करते हैं। आयरन की अधिकता के कारण यह लाल रक्त कोशिकाओं को सक्रिय और उनकी पुनर्रचना करता है। इसका जूस पीने से एनीमिया के रोगी को काफी आराम मिलता है और उसके शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है। यानी हीमोग्लोबिन बेहतर होता है।

त्वचा संबंधी रोगों में कारगर

चुकंदर के नियमित सेवन से त्वचा चमकदार, चिकनी और गुलाबी बनी रहती है। वर्तमान मौसम में एलर्जी की वजह से त्वचा संवेदनशील हो जाती है, जिससे उन पर चकत्ते, खुजली, जलन, एग्जिमा जैसी समस्याओं की आशंका रहती है, लेकिन चुकंदर के सेवन से उसकी आशंका काफी कम हो जाती है। इसके पत्ते को मेहंदी के साथ पीसकर सिर पर लगाने से बालों का झड़ना रुकता है। बालों में रूसी होने पर चुकंदर के काढ़े में थोड़ा-सा सिरका मिलाकर लगाना फायदेमंद होता है।

वजन कम करने में सहायक

सर्दियों में पाचन तंत्र में सुधार होने की वजह से लोग अधिक खाते हैं। इससे कई लोग मोटापे के भी शिकार हो जाते हैं। ऐसे में चुकंदर को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना फायदेमंद है। इसमें कैलोरी कम होती है, फाइबर, विटामिन, मिनरल, पानी जैसे तत्व अधिक होते हैं। ये तत्व फैट के दुष्प्रभाव से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इससे देर तक भूख नहीं लगती और पेट भरे होने का एहसास होता है। इससे व्यक्ति अनावश्यक भोजन से बचता और वजन बढ़ने की आशंका कम होती है।

दिल्ली की नजफगढ़ सब्जी मंडी में विक्रेताओं को ठेलों पर लिखने होंगे नाम और फोन नंबर

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के नजफगढ़ की सब्जी मंडी में अब सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी लगाने वालों को अपने ठेलों पर अपना नाम और फोन नंबर लिखना होगा। स्थानीय पार्षद और मार्केट एसोसिएशन ने दावा किया है कि इस कदम का उद्देश्य अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को वहां उनकी उपज बेचने से रोकना है।

बाजार एसोसिएशन ने विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि वे ठेलों पर नेम प्लेट पर अपना फोन नंबर भी लिखें, जिस पर एसोसिएशन द्वारा जारी किया गया एक यूनिक ÷ठेला नंबर÷ होगा। इस महीने की शुरुआत में स्थानीय पार्षद के साथ हुई मार्केट एसोसिएशन की बैठक में इस योजना को लागू करने का फैसला लिया गया था। बैठक में अज्ञात विक्रेताओं द्वारा सामान बेचने की शिकायतें मिली थीं, जिनके बांग्लादेश और म्यांमार के अवैध प्रवासी होने का संदेह था। स्थानीय भाजपा पार्षद अमित खरखरी ने कहा कि यह कदम किसी व्यक्ति या किसी विशेष समुदाय के साथ भेदभाव करने के लिए नहीं बल्कि सुरक्षा के लिए उठाया गया है। नजफगढ़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष संतोष राजपूत ने बताया कि हमने इलाके के सभी स्ट्रीट वेंडर्स से वैरिफिकेशन के लिए आधार कार्ड जैसे पहचान दस्तावेज जमा करने को कहा है। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्ड मार्केट एसोसिएशन द्वारा बनाए रखा

जाएगा और सुरक्षा उद्देश्यों के लिए स्थानीय पुलिस के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को भी प्रस्तुत किया जाएगा। मार्केट एसोसिएशन ने कहा कि मार्केट में कृषि उपज बेचने वाले लगभग 300 स्ट्रीट वेंडर्स हैं। राजपूत ने कहा कि 20 नवंबर तक वैरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने की योजना है। उन्होंने कहा कि इस कदम से हमारा उद्देश्य सब्जी मंडी में व्यवस्था को बेहतर बनाना है। अगर विक्रेताओं के नाम और फोन नंबर उनके ठेलों पर लिखे होंगे तो कोई भी खरीदार शिकायत के लिए हमें रिपोर्ट कर सकता है। इससे हमें माल बेचने वाले अवैध प्रवासियों की पहचान करने में भी मदद मिलेगी। हम उनकी जानकारी एमसीडी और पुलिस को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि जिस किसी के पास नेमप्लेट नहीं होगी, उसे बाजार में अपनी फसल बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। खरखरी ने कहा कि कार्रवाई को लागू करने का फैसला उनके ऑफिस में हुई एक बैठक के दौरान मार्केट एसोसिएशनऔर स्थानीय लोगों द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया था। उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति या किसी विशेष समुदाय के खिलाफ भेदभाव करने के लिए नहीं किया जा रहा है। यह सिर्फ सुरक्षा के लिए है। हमें बाजार में अनधिकृत व्यक्तियों के संचालन के बारे में कई शिकायतें मिली हैं।

दिल्ली में बुजुर्ग को 8 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये ठगे, 1500 खातों में भेजी गई रकम

नईदिल्ली, एजेंसी। साइबर अपराधियों ने राजधानी दिल्ली के एक रिटायर्ड इंजीनियर को 8 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा ठग लिए। बुजुर्ग को प्रतिबंधित दवाएं देश से बाहर भेजने का डर दिखाकर यह ठगी की गई। दिल्ली पुलिस की साइबर शाखा इफ्सो इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रोहिणी में रहने वाले 72 वर्षीय बुजुर्ग को पहले पार्सल का झांसा दिया गया। 29 सितंबर को बुजुर्ग के पास साइबर अपराधियों ने फोन किया। फोन करने वाले ने खुद को पार्सल कंपनी का अधिकारी बताया और कहा कि आपके नाम के पार्सल में प्रतिबंधित दवाएं ताइवान से भेजी जा रही थीं। इस बारे में मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी बात करना चाहते हैं। इसके बाद क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर ठगों ने बुजुर्ग को स्काइप डाउनलोड करने और वीडियो कॉल पर आने के लिए कहा। फिर ठगों ने बुजुर्ग को डराया और इसी क्रम में परिवार के बारे में जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद बेटा-बेटी को भी फंसाने की धमकी देकर उनसे अलग-अलग बैंक खातों में 10.30 करोड़ रुपये जमा करा लिए। करीब आठ घंटे डिजिटल अरेस्ट होने के बाद पीड़ित कमरे से बाहर आ सके। इसके बाद उन्होंने परिजनों को घटना की जानकारी दी। पीड़ित ने 1 अक्टूबर को पुलिस को शिकायत दी। विदेश से फोन कर डिजिटल अरेस्ट किया

छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि बुजुर्ग के पास कंबोडिया से फोन कर आठ घंटे में ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट के मामले में फोन कंबोडिया, फिलीपींस और ताइवान से आ रहे हैं। इन इलाकों में भारतीय मूल के लोग ही फोन कर फंसा रहे हैं।

बेटा-बेटी से भी रुपये मंगाने को कहा : ठगों के निर्देश पर बुजुर्ग ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद पीड़ित से बैंक खातों की जानकारी मांगी। ठगों ने अलग-अलग करके बुजुर्ग के बैंक खातों से 10.30 करोड़ रुपये बताए गए बैंक खातों में ऑनलाइन जमा करवाए। पीड़ित ने रुपये जमा कर दिए तब ठगों ने बेटा-बेटी से भी रुपये मंगाने को कहा। इस पर बुजुर्ग को शक हो गया और उन्होंने लैपटॉप बंद कर दिया। करीब आठ घंटे डिजिटल अरेस्ट होने के बाद पीड़ित कमरे से बाहर आए। उन्होंने परिजनों को घटना के बारे में बताया तो उन्हें ठगे जाने का अहसास हुआ। फिर पीड़ित ने 1 अक्टूबर को रोहिणी साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दी।

सात बैंक खातों में जमा कराए रुपये : जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम को पहले सात अलग-अलग बैंक खातों में जमा कराया गया। फिर छोटे-छोटे हिस्से में रकम को एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खातों में जमा कराया। इस प्रक्रिया में ठगों ने 15 सौ अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया। इन बैंक खातों में जमा करीब 60 लाख की रकम फ्रीज कराई गई है। इस रकम का कुछ हिस्सा देश के अलग अलग हिस्सों में निकाला गया है।

बेटा दुबई तो बेटी सिंगापुर में है : जानकारी के अनुसार 72 वर्षीय बुजुर्ग अपनी पत्नी के साथ रोहिणी सेक्टर 10 इलाके में रहते हैं। दंपती का बेटा आईआईटी से पढ़ाई करने के बाद दुबई में कारोबार कर रहा है, जबकि बेटी सिंगापुर में रहती है। वहीं, बुजुर्ग 1972 में रुड़की इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक करने के बाद विभिन्न कंपनियों में बड़े पदों पर रहे। रिटायरमेंट के बाद से वह घर पर रहते हैं।

ऐसे फंसाते हैं आरोपी : डिजिटल अरेस्ट में किसी शख्स को ऑनलाइन माध्यम से डराया जाता है कि वह सरकारी एजेंसी के माध्यम से अरेस्ट हो गया है, उसे जुर्माना देना होगा। डिजिटल अरेस्ट एक ऐसा शब्द है जो कानून में नहीं है।

ठगी से बचने के लिए ये ये सावधानी बरतें : डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में सबसे पहले जरूरी यह है कि जागरूक रहें। किसी की धमकी से डरें नहीं। संदिग्ध आईडी से आए ई-मेल में लिंक पर क्लिक नहीं करें। किसी भी मामले में संलिप्तता बताए जाने पर तुरंत उस एजेंसी से संपर्क करें। कॉलर की बात पर विश्वास नहीं करें। कॉलर द्वारा बताए गए किसी भी ऐप को डाउनलोड नहीं करें साथ ही उनसे अपने बैंक खाते, पैन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य जानकारियां साझा नहीं करें। तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

जबरन काम और मार-पीट; नोएडा में नाबालिग लड़की से कराई जा रही थी बाल मजदूरी

नोएडा एजेंसी। दिल्ली में नाबालिग लड़की से घर पर काम काम कराने और मारपीट करने का मामला सामने आया है।

लड़की की उम्र मजह 11 साल है। बताया जा रहा है कि इन लोगों ने लड़की को 5000 रुपए में अपने घर पर काम कराने के लिए रखा था। एक दिन मारपीट की बात आसपास के लोगों को पता चल गई तो मामला खुलकर सबके सामने आ गया। एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। पीड़ित लड़की की मां, मामा और मौसी के ऊपर भी मामला दर्ज किया गया है। जानिए आखिर क्यों लड़की के परिजनों पर मामला दर्ज हुआ और लोगों को लड़की के साथ हो रही मारपीट की जानकारी कैसे मिली।

बच्ची के साथ पिटाई की बात ऐसे आई सामने : चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर युवराज कुमार ने बताया कि मामला तब सामने आया जब पड़ोसियों ने बच्ची को सोसायटी में गुमशुदा हालत में घूमते हुए देखा। घटना सेक्टर 137 स्थित लॉजिक्स ब्लॉसम काउंटी सोसायटी की है। यहां के निवासी शाहजहां और उसकी पत्नी रुखसाना ने किसी बात पर बच्ची की पिटाई कर दी थी। इसके बाद आस-पास के लोगों को इसकी जानकारी हुई तो पड़ोसियों ने मामले की सूचना पुलिस को दी।

लड़की के परिजनों पर इसलिए दर्ज हुआ केस : इसके बाद सेक्टर 142 थाने में तैनात सब-इंस्पेक्टर चंचल ने दंपत्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि लड़की को झारखंड के रहने वाले दंपत्ति के पास काम करने के लिए दिल्ली भेजा गया था। लड़की को 5000 रुपये महीने का वेतन दिया जाता था। कुमार ने बताया जब लड़की के माता-पिता से पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया कि वे बहुत गरीब हैं और उसके दो भाई अपने परिवार के साथ बोकारो में रहते हैं। परिजनों ने ही लड़की को दिल्ली भेजा था। बताया गया है कि पीड़ित लड़की की मां, मामा और मौसी के ऊपर भी मामला दर्ज किया गया है। मेडिकल जांच के बाद लड़की को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। लड़की ने बाद में पुलिस को बताया कि दंपति नाबालिग को पीटते थे।

स्कूल बस में मासूम के साथ गंदा काम, घर जाते समय करते थे छेड़छाड़; पुलिस हिरासत में तीन आरोपी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा जिले के आनंद विहार स्थित एक निजी स्कूल में नर्सरी की छात्रा के साथ अश्लील हरकतें करने का मामला सामने आया है। मासूम के साथ इस घिनौनी हरकत को स्कूल में काम करने वाले बस कंडक्टर व परिचालक (अटेंडेंट) ने अंजाम दिया है। आरोपी मासूम को डरा धमका कर उसके साथ ये हरकतें करते थे और किसी को कुछ बताने पर उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते थे। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम के मुताबिक, बस ड्राइवर, कंडक्टर और हेल्पर के खिलाफ परिजनों की पिछली शिकायत के आधार पर पॉस्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, माता-पिता घटना की जानकारी देने और कानूनी कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत देने के लिए आगे नहीं आए हैं। बयान के अनुसार अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी बस चालक, कंडक्टर और स्कूल के एक कर्मचारी के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 10 के तहत मामला दर्ज किया गया है। स्कूल से लौटने के बाद बच्ची की हालत को देखकर परिजनों को जब संदेह होने लगा तो उन्होंने बच्ची से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।

दिल्ली में अगले दो हफ्ते इन सड़कों पर मिल सकता है जाम, आने-जाने से बचें; एडवाइजरी पढ़कर ही निकलें बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। लोगों को मेले में आने के लिए सार्वजनिक परिवहन साधनों का प्रयोग करने, जाम से बचने के लिए भैरों मार्ग, मथुरा रोड समेत आस-पास की सड़कों पर आने से बचने की सलाह दी है। 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले मेले के दौरान आस-पास की सड़कों पर वाहन रोकने पर पाबंदी रहेगी। इस दौरान वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। यातायात पुलिस मेले में ऐसे पहुंचे ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि प्रगति मैदान मेले में रोजाना लगभग 60 हजार आगंतुकों के आने की संभावना है। वीकंड में और छुट्टियों के दौरान यहां प्रतिदिन करीब डेढ़ लाख लोगों के आने की संभावना है। दिन के समय में मथुरा रोड, भैरों मार्ग, रिंग रोड, शेरशाह रोड और पुराना किला रोड पर ट्रैफिक जाम की आशंका है। लोगों से अनुरोध है कि वे परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इन सड़कों से आने से बचें और वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि अगर कोई अपने वाहन से चालक के साथ आता है तो आईटीपीओ के गेट नंबर - 3 और 7 के सामने सर्विस लेन पर ड्रापिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। इसके अलावा मथुरा रोड और भैरों मार्ग पर किसी भी वाहन को कहीं भी रुकने या पार्क करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। शेरशाह रोड, पुराना किला रोड, भगवान दास रोड और तिलक मार्ग पर आगंतुकों के किसी भी वाहन को पार्क करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उपरोक्त सड़कों पर पार्क किए गए वाहनों को हटा दिया जाएगा। उन वाहनों को गेट नंबर-5 पर नेशनल स्टेडियम पार्किंग

में पार्क किया जाएगा। दिल्ली मेट्रो से आने वाले लोग सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर उतर सकते हैं। और गेट नंबर- 10 के माध्यम से आईटीपीओ में प्रवेश ले सकते हैं या गेट- 6 और 4 के माध्यम से प्रवेश के लिए शटल सेवा का उपयोग कर सकते हैं। मथुरा रोड और भैरों मार्ग पर तय बस स्टॉप पर उतर सकते हैं।

पुलिस मैराथन के चलते डायवर्ट रहेगा ट्रैफिक : दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित 73वीं इंडिया पुलिस एथलेटिक्स क्लस्टर मैराथन 2023-24 के चलते गुरुवार को दक्षिणी दिल्ली और नई दिल्ली इलाके की कुछ सड़कों पर वाहनों की पाबंदी व डायवर्जन के चलते जाम से जूझना पड़ सकता है। सुबह 5 बजे से साढ़े नौ बजे तक कुछ सड़कों पर पाबंदी व डायवर्जन रहेगा। हालांकि इमरजेंसी वाहनों के लिए कोई पाबंदी नहीं है। जो सड़कें प्रभावित रहेंगी उनमें बीपी मार्ग, लोधी रोड, और आर्कबिशप मार्ग पर भारी वाहनों की पांबदी रहेगी। इसके चलते वाहन चालकों को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम की तरफ जाने वाली सड़कों पर भारी जाम मिल सकता है। इसलिए इन सड़कों से बचने की सलाह दी गई है।

अडानी ग्रुप पर क्यों लगे अफसरों को घूस देने के आरोप

नेशनल डेस्क। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के बाद एक बार फिर उद्योगपति गौतम अडानी संकट में घिर गए हैं। इस बार उनके खिलाफ अमेरिका में रिश्वत और धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि अडानी ने अपनी कंपनी के लिए सोलर प्रोजेक्ट्स के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी। यह मामला बुधवार को न्यूयॉर्क में अपराधिक शिकायत के रूप में दर्ज किया गया था। आइए जानते है इस पूरे मामले को विस्तार से...

मामला क्या है?

अमेरिका के फेडरल कोर्ट में हुई सुनवाई में गौतम अडानी सहित आठ लोगों पर अरबों रुपये की धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में आरोप है कि अडानी ग्रीन एनर्जी ने भारतीय राज्य सरकारों के अधिकारियों को रिश्वत दी ताकि उनकी कंपनियां (डिस्कॉम) सरकारी बिजली वितरण कंपनियों से सोलर पावर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध हों, और यह सोलर पावर बाजार दरों से अधिक कीमत पर खरीदी जाए।

आरोपियों की सूची

अमेरिकी जांच एजेंसियों ने अडानी समूह के आठ लोगों को आरोपित किया है, जिनमें शामिल हैं-

गौतम अडानी
सागर आर अडानी (अडानी ग्रीन के कार्यकारी निदेशक)
विनीत एस जैन
रंजित गुप्ता
रूपेश अग्रवाल
दीपक मल्होत्रा
सौरभ अग्रवाल
सिरील कैबनीज

इन सभी पर रिश्वत देने और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं।

रिश्वत देने का तरीका

अमेरिकी सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन (स्थष्ट) ने आरोप लगाया है कि अडानी ग्रीन ने भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी ताकि वे सरकारी डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को सोलर एनर्जी खरीदने के लिए अधिक दरों पर प्रतिबद्ध करें। यह रिश्वत 2021 के मध्य से लेकर 2021 के अंत तक दी गई थी। इस सोलर प्रोजेक्ट्स से अडानी समूह को 20 सालों में करीब 2 अरब डॉलर का मुनाफा होने की उम्मीद थी।

अमेरिकी निवेशकों को धोखा

अमेरिका में ये आरोप भी लगाए गए हैं कि अडानी ग्रीन ने अमेरिकी निवेशकों को धोखा दिया। कंपनी ने झूठे और भ्रामक बयानों के आधार पर 175 मिलियन डॉलर जुटाए, जो कि बाद में धोखाधड़ी साबित हुए। स्थष्ट के अनुसार, अडानी ग्रीन और एज्योर पावर ने सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स में अमेरिकी निवेशकों से पैसे जुटाए थे, जबकि उन्होंने भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देकर बाजार दरों से अधिक कीमतों पर बिजली खरीदने का वादा किया था।

सोलर प्रोजेक्ट्स का विवाद

अमेरिकी स्थष्ट की शिकायत में यह कहा गया है कि अडानी ग्रीन और एज्योर पावर को भारतीय सरकार के सोलर एनर्जी प्रोग्राम्स से बड़े फायदे मिल रहे थे। ये प्रोग्राम्स भारतीय सरकारी एजेंसी एसईसीआई **(Solar Energy Corporation of India)** द्वारा चलाए जा रहे थे, जिसके तहत कंपनियों को सोलर पैनल बनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जाता था। 2020 में, अडानी ग्रीन और एज्योर पावर को इस प्रोग्राम के तहत कई परियोजनाएं मिलीं, लेकिन आरोप है कि उन्होंने रिश्वत देकर सरकारी अधिकारियों से सोलर पावर खरीदने की कीमतें बढ़वाईं। इससे सरकारी डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को ज्यादा पैसे चुकाने पड़े, और इन कंपनियों को यह समझौते करने के लिए मजबूर किया गया।

अमेरिकी कानून के तहत मामला

अमेरिका में रिश्वत देना एक कानूनी अपराध है। अगर यह आरोप साबित हो जाते हैं तो अपराधिक दंड हो सकता है। इस मामले में अडानी ग्रीन और उनके सहयोगियों पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी ताकि वे सोलर पावर खरीदने के लिए सरकारी कंपनियों को बाध्य करें।

अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट

इस मामले की जानकारी मिलने के बाद, अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई है। गुरुवार को अडानी समूह के शेयरों में 25त्न तक की गिरावट दर्ज की गई। कई शेयर लोअर सर्किट में फंस गए हैं, जिससे निवेशकों में हड़कंप मच गया है।

भारत में राजनीति और आरोप

गौतम अडानी को भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी माना जाता है, और विपक्षी पार्टियां हमेशा से आरोप लगाती रही हैं कि अडानी को राजनीतिक संरक्षण मिलता है। हालांकि, अडानी और उनका समूह इन आरोपों को हमेशा नकारते रहे हैं। गौतम अडानी और उनके समूह पर अमेरिकी अदालत में रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोप गंभीर हैं। इससे न केवल अडानी ग्रुप के कारोबार पर असर पड़ेगा, बल्कि भारतीय और अमेरिकी दोनों देशों में उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी हो सकती है।

सेंसेक्स 422 अंक टूटकर 77,155 और निफ्टी 23,350 के नीचे बंद

मुंबई: शेयर बाजार में आज यानी 21 नवंबर को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 422 अंक की गिरावट 77,155 के स्तर पर और निफ्टी भी 168 अंक टूटा, ये 23,349 के स्तर पर बंद हुआ। कोराबार के दौरान सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 76,800 के स्तर पर जबकि निफ्टी में भी करीब 200 अंक की गिरावट रही, ये 23,300 के स्तर पर था। आज बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। अडानी ग्रुप के शेयर में 10-20त्न का लोअर सर्किट लगा।

19 नवंबर को बाजार में रही थी तेजी

सेंसेक्स 19 नवंबर को 240 अंक की तेजी के साथ 77,578 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 65 अंक चढ़ा था, ये 23518 के स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि, दिन के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में 873 अंक की गिरावट देखने को मिली थी। सुबह सेंसेक्स करीब 1000 अंक ऊपर था। वहीं ऊपर स्तर से निफ्टी 262 अंक फिसल गया था। वहीं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के चलते 20 नवंबर को शेयर बाजार बंद था।

बिटकॉइन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 94 हजार डॉलर के पार पहुंची कीमत

बिजनेस डेस्क: क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया में बिटकॉइन (Bitcoin) ने एक बार फिर से अपनी ताकत दिखाते हुए 94 हजार डॉलर की नई ऊंचाई को छुआ है। यह पहली बार है जब बिटकॉइन की कीमत 94,000 डॉलर के पार पहुंची है। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद बिटकॉइन की कीमत में 26,000 डॉलर से ज्यादा की बढ़त आई है और अब विशेषज्ञ यह अनुमान लगा रहे हैं कि यह कीमत जल्द ही 1 लाख डॉलर तक भी पहुंच सकती है। इस बढ़त का प्रमुख कारण ट्रंप का क्रिप्टोकरेंसी मार्केट को समर्थन देना और एलन मस्क का भी इसका समर्थन करना है।

बिटकॉइन के दाम में उछाल और शानदार रिटर्न

कॉइन डेस्क के आंकड़ों के मुताबिक, बिटकॉइन की कीमत 94,038.97 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची, हालांकि अब यह 92,000 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है। पिछले हफ्ते में बिटकॉइन में 2त्न की वृद्धि देखने को मिली, जबकि पिछले महीने में इसने 33त्न से अधिक का रिटर्न दिया। 3 महीनों में बिटकॉइन के दाम 56त्न और 1 साल में 146त्न तक बढ़ चुके हैं। वर्तमान में बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

Dogecoin में भी तेजी

एलन मस्क की पसंदीदा क्रिप्टोकरेंसी डॉगकॉइन की कीमत भी बढ़ी है। वर्तमान में डॉगकॉइन की कीमत 0.38 डॉलर हो गई है, जो पिछले एक हफ्ते में 1.30त्न बढ़ी है। ट्रंप की जीत के बाद डॉगेकॉइन ने निवेशकों को 175% का

रिटर्न दिया है, जबकि पिछले एक साल में इसने 400त्न से ज्यादा की कमाई दी है। आने वाले दिनों में डॉगकॉइन की कीमत में और भी इजाफा हो सकता है।

क्रिप्टोकरेंसी मार्केट का कुल मूल्य 3 ट्रिलियन डॉलर पार

ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट अब 3 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि पिछले 24 घंटे में इसमें 0.42त्न की गिरावट आई है लेकिन 5 नवंबर के बाद से इसने 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखा है। 5 नवंबर को मार्केट कैप 2.26 ट्रिलियन डॉलर था, जो अब बढ़कर 3.07 ट्रिलियन डॉलर हो गया है और इसके और बढ़ने की संभावना है।

मेक इन इंडिया और PLI योजनाओं से विदेशी निवेश बढ़ा

नॅशनल डेस्क। भारत में मेक इन इंडिया और उत्पादन लिंक प्रोत्साहन (PLI) योजनाओं की वजह से विदेशी निवेशकों का भारत की ओर रुझान तेजी से बढ़ा है। देश के प्रमुख उद्योग संघ CII (कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) ने इसकी जानकारी दी है।

बुनियादी ढांचे में निवेश ने बढ़ाई प्रतिस्पर्धा

CII के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने 5 नवंबर को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि सरकार द्वारा सड़कों, रेलवे और बंदरगाहों जैसे बुनियादी ढांचे में किए गए निवेश ने घरेलू उद्योग को और

अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद की है।

वैश्विक कंपनियों का भारत की ओर रुझान

CII ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां भारत के पक्ष में हैं। कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अपने उत्पादन केंद्रों को नए स्थानों पर स्थापित करने की योजना बना रही हैं, और भारत उनके लिए एक प्रमुख गंतव्य बन गया है। CII के अनुसार, 2014-15 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्रवाह 45.14 बिलियन डॉलर था, जो 2023-24 में बढ़कर 70.95 बिलियन डॉलर हो गया है। यह आंकड़ा भारत में निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। भारत की विनिर्माण क्षमताएं जैसे ऑटो, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, रसायन, शिपिंग और रेलवे के क्षेत्र में लगातार बढ़ रही हैं। CII ने पीएलआई योजनाओं को भारी निवेश आकर्षित करने के लिए एक प्रमुख कारण बताया।

सरकार की नीतियों की सराहना

CII ने मेक इन इंडिया पहल और इससे जुड़ी योजनाओं के शानदार कार्यान्वयन और नवाचारी नीतियों के लिए सरकार की सराहना की। यह पहल कारोबार में आसानी, निवेश प्रोत्साहन और बेहतर कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने में मदद मिली है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)